राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापुर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, सोमवार, 15 जून 2026
वर्ष 14,अंक 66, पृष्ट 04, मूल्य: 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

रहीमाबादःवन विभाग पर गंभीर आरोपः वन दरोगा पर पेड़ों की कटान और अवैध वसूली के आरोप...03

हैदराबाद कोर्ट ने मीनाक्षी नटराजन के खिलाफ याचिका खारिज....04

अधिकारी करेंगे पुजारियों की जांच...ये सनातन का अपमान, राम मंदिर कथित दान चोरी पर बोले अखिलेश यादव

- समाजवादी पार्टी सुप्रीमो अखिलेश यादव ने रविवार को आगरा में मीडिया से बात करते हुए बीजेपी सरकार पर हमला बोला है
- अखिलेश यादव ने कहा कि अधिकारी अब हमारे भगवान के पुजारियों की जांच करेंगे
- ये सनातन का अपमान है. योगी सरकार पर हमला बोलते हुए अखिलेश ने कहा कि महंगाई और भ्रष्टाचार बढ़ रहे हैं, और उनके मंत्री बेईमानी कर रहे हैं

समाजवादी पार्टी सुप्रीमो अखिलेश यादव ने रविवार को आगरा में मीडिया से बात करते हुए बीजेपी सरकार पर हमला बोला है. उन्होंने राम मंदिर कथित दान चोरी को लेकर सरकार पर तंज कसा. अखिलेश यादव ने कहा कि अधिकारी अब हमारे भगवान के पुजारियों की जांच करेंगे. ये सनातन का अपमान है. सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए अखिलेश ने कहा कि सरकार हर मुद्दे पर फेल साबित हो रही है. अब भगवान के पुजारियों को भी घेरा जा रहा है।

केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि आज डॉलर बढ़ रहा है और रुपया गिर रहा है. आसान शब्दों में कहें तो डॉलर के बढ़ने से चाय जैसी चीजें महंगी हो जाएंगी. जिन्होंने 'स्मार्ट सिटी' का वादा किया था, उन्होंने स्मार्ट मीटर लगाए, लेकिन मैं उन किसानों की तारीफ करता हूं जिन्होंने उन्हें उखाड़कर फेंक दिया. योगी सरकार पर हमला बोलते हुए अखिलेश ने कहा कि महंगाई और भ्रष्टाचार बढ़ रहे हैं, और उनके मंत्री बेईमानी कर रहे हैं. आपने सुना होगा कि एक मंत्री का काम कम कर दिया गया. यानी उनकी भूमिका आधी कर दी गई. और मैं आपको यकीन दिलाता हूं कि आने वाले चुनावों में उनके कई विधायकों का टिकट कट जाएगा।

इंडिया गठबंधन कर रहा 'दोहरी' तैयारी

एक सवाल के जवाब में अखिलेश यादव ने कहा कि मैं इंडिया गठबंधन या कांग्रेस पर बहस नहीं करना चाहता. सच तो यह है कि बीजेपी को तभी हराया जा सकता है जब इंडिया गठबंधन एकजुट रहे. बीजेपी सभी 403 सीटों के लिए तैयारी कर रही है, और हम भी ऐसा ही कर रहे हैं. इसका मतलब है कि इंडिया गठबंधन असल में 'दोहरी' तैयारी कर रहा है।

राजनीतिक व्यवहार और मर्यादा की कमी बीजेपी ने पैदा की

समाजवादी पार्टी और मैंने व्यक्तिगत रूप से हमेशा संयम बरतने और सोच-समझकर शब्द चुनने की कोशिश की है. इसके उलट, बीजेपी में कई ऐसे लोग हैं जो लोकतंत्र में किसी की परवाह नहीं करते और न ही किसी की गरिमा का सम्मान करते हैं. वे ऐसी भाषा का इस्तेमाल करते हैं जिसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते. हमने कभी ऐसा राजनीतिक व्यवहार या राजनीतिक मर्यादा की ऐसी कमी नहीं देखी जैसी बीजेपी ने पैदा की है।

चेले चपाटे वाले बयान पर अखिलेश का हमला

योगी आदित्यनाथ पर तंज कसते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भारी मात्रा में गांजा जब्त किया जा रहा है. पहले जब्ती ज्यादातर गोरखपुर में होती थी, लेकिन अब यह पूरे राज्य में हो रही है. सीएम योगी के चेले चपाटे वाले बयान पर अखिलेश यादव ने कहा, 'अपने गुरुओं को कौन संभालेगा? उस विषय को नहीं छेड़ना चाहता हूं. देश में बीजेपी ने नकारात्मक पॉलिटिक्स की है. हजारों करोड़ रुपये वे इस बात के लिए खर्च करते हैं कि किसी की छवि कैसे खराब की जाए. 2017 से पहले सीएम योगी की पहचान नहीं थी. 2017 से पहले लोग उनको नहीं जानते थे।'

बीजेपी ने 'विश्व गुरु' बनने का मौका गंवाया

अमेरिका-इजराइल और ईरान युद्ध को लेकर भी अखिलेश यादव ने बड़ा बयान दिया है. अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी ने 'विश्व गुरु' बनने का मौका गंवा दिया. अगर विमान को इजराइल की जगह ईरान में उतारा गया होता. ठीक वैसे ही जैसे उन्होंने पाकिस्तान में उतारा था, तो यह युद्ध नहीं होता. जो लोग जहाज से यात्रा कर रहे थे, वे मारे गए और इसके लिए भारत सरकार की कमजोर नीति जिम्मेदार है।

ममता बनर्जी पर केस दर्ज होने पर बिफरे अखिलेश

अखिलेश यादव ने कहा कि बंगाल चुनावों में हमने देखा कि ममता दीदी के खिलाफ केस दर्ज किया गया, जबकि हमारे मुख्यमंत्री अपने ऊपर लगे गंभीर आरोपों वाले केस वापस ले लेते हैं. बंगाल में बीजेपी सरकार के सत्ता में आने के बाद, उन्होंने एक लोकप्रिय मुख्यमंत्री के खिलाफ केस दर्ज करना शुरू कर दिया; लोकतंत्र के लिए इससे ज्यादा खतरनाक क्या हो सकता है?

नीरव मोदी मामले में नया मोड़, अब मजिस्ट्रेट कोर्ट में दाखिल होगी चार्जशीट

- पंजाब नेशनल बैंक से 321.88 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी से जुड़े नीरव मोदी मामले में नया मोड़ देखने को मिला है. सी.बी.आई ने अदालत को बताया कि जांच के दौरान किसी भी पीएनबी अधिकारी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कोई ठोस साक्ष्य नहीं मिला

पंजाब नेशनल बैंक से 321.88 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी से जुड़े नीरव मोदी मामले में एक महत्वपूर्ण कानूनी घटनाक्रम सामने आया है. मुंबई की विशेष सी.बी.आई अदालत ने मामले की स्नढ्ढक्र और संबंधित दस्तावेजों को एस्प्लेनेड स्थित मुख्य महानगर दंडाधिकारी (सीएमएम) अदालत को स्थानांतरित करने का आदेश दिया है।

सी.बी.आई ने अदालत को बताया कि जांच के दौरान किसी भी PNB अधिकारी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कोई ठोस साक्ष्य नहीं मिला. इसके चलते अब एजेंसी केवल निजी व्यक्तियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं में चार्जशीट दाखिल करेगी. विशेष सी.बी.आई न्यायाधीश डॉ. जे.पी. दरेकर ने आवेदन स्वीकार करते हुए FIR और संबंधित रिकॉर्ड एस्प्लेनेड अदालत को भेजने का निर्देश दिया।

जानें किन धाराओं में दर्ज हुआ था केस

बता दें कि यह मामला नीरव मोदी, रविशंकर गुप्ता, विपुल अंबानी और फायरस्टार समूह की कंपनियों से जुड़े अन्य आरोपियों के खिलाफ दर्ज किया गया था. बैंक की जांच में सोलर एक्सपोर्ट्स, स्टेलर डायमंड्स, डायमंड आर यूएस, फायरस्टार इंटरनेशनल और फायरस्टार डायमंड्स के बीच संदिग्ध लेन-देन मिले थे. शुरुआत में आरोपियों पर आईपीसी की धारा 120-B, 420 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13(2) के तहत केस दर्ज था

अब भ्रष्टाचार के आरोप हटने के बाद सिर्फ धोखाधड़ी और साजिश के आरोप बचे हैं. सीबीआई के अनुसार, अब इस प्रकरण की आगे की सुनवाई और चार्जशीट पर संज्ञान मजिस्ट्रेट अदालत में लिया जाएगा।

सीबीआई ने कोर्ट में कहा- सबूत नहीं मिले

इससे पहले सीबीआई ने गुरुवार को कोर्ट को बताया कि 'भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम' के तहत की गई विस्तृत जांच में पीएनबी अधिकारियों या प्राइवेट व्यक्तियों के खिलाफ कोई भी दोषी ठहराने लायक सबूत नहीं मिला है. सीबीआई की ओर से पेश हुए पब्लिक प्रॉसिक्यूटर विक्रम सिंह ने कहा कि चार्जशीट सिर्फ प्राइवेट व्यक्तियों के खिलाफ ही दाखिल की जाएगी. इसलिए यह मामला स्पेशल सीबीआई कोर्ट के अधिकार क्षेत्र से बाहर है और इसे मजिस्ट्रेट कोर्ट में ट्रांसफर किया जाना चाहिए. स्पेशल जज जेपी डारेकर ने जांच एजेंसी की इस दलील को स्वीकार कर लिया।

लंदन की जेल में बंद है नीरव मोदी

भगोड़े हीरा व्यापारी नीरव मोदी और उनके चाचा मेहुल चोकसी को कई हजार करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में मुख्य आरोपी माना जाता है. इस मामले की जांच सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) दोनों कर रहे हैं. आरोपियों पर 13,000 करोड़ रुपये से ज्यादा के सरकारी फंड के गबन का आरोप है. मेहुल चोकसी के प्रत्यर्पण की कार्यवाही बेल्जियम की अदालत में चल रही है, जबकि नीरव मोदी लंदन की जेल में बंद हैं।

संक्षिप्त ख़बरें

खाद खरीद पर सरकारी रेट से दोगुना कीमत वसूलने का आरोप

जिलाधिकारी ने दिए कृषि अधिकारी को जांच के निर्देश

रतनपुर/महराजगंज। नौतनवां ब्लॉक के क्षेत्र के जिगिना स्थित एक खाद की दुकान से भारी ओवररेटिंग और कालाबाजारी का मामला सामने आया है। यहां एक निजी विक्रेता द्वारा सरकारी नियमों को ताक पर रखकर किसानों से खाद की मनमानी कीमत वसूली जा रही है। इस मनमानी से परेशान होकर स्थानीय ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के अनुसार सरकार द्वारा निर्धारित तय दरों को दरकिनार कर यूरिया खाद को 500 से 600 रूपए में और डीएपी को 1800 से 1900 रूपए प्रति बोरी की ऊंची कीमतों पर बेचा जा रहा है। किसानों का आरोप है कि कम दर पर खाद मांगने पर विक्रेता विवाद और झगड़े पर उतारू हो जाता है। ग्रामीणों ने इस मामले की तत्काल जांच कराकर ओवररेटिंग पर लगाम लगाने और सही रेट पर खाद उपलब्ध कराने की मांग की है। वहीं शिकायत के आधार पर जिलाधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल तत्काल जिला कृषि अधिकारी को मामले की जांच कर आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

ASI के संयुक्त महानिदेशक ने परखी ताजमहल की सुरक्षा व्यवस्था, पर्यटक सुविधाओं का लिया जायजा

आगरा। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के संयुक्त महानिदेशक सुरक्षा अशोक मिश्रा ने शनिवार को ताजमहल और आगरा किला का निरीक्षण किया। उन्होंने स्मारकों में पर्यटकों के प्रवेश की व्यवस्था, सुरक्षा जांच, बैग स्कैनिंग की जानकारी की। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआइएसएफ) की करबना स्थित बैरक का निरीक्षण कर जवानों को मिल रहीं सुविधाएं जानीं। संयुक्त महानिदेशक सुरक्षा अशोक मिश्रा (सेवानिवृत्त कर्नल) शनिवार सुबह 9:45 बजे ताजमहल पहुंचे। पूर्वी गेट और पश्चिमी गेट पर सुरक्षा व्यवस्था और जवानों के ड्यूटी प्वाइंट और उनकी संख्या के बारे में उन्होंने जानकारी की।

यमुनापार में बीते दो महीने से घरों में आ रहा गंदा पानी, दूषित जल की आपूर्ति से बढ़ी लोगों की मुश्किलें

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूर्वी दिल्ली। यमुनापार के विभिन्न इलाकों में पेयजल आपूर्ति से जुड़ी संकट करीब दो माह से लगातार बरकरार है। कहीं पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं पहुंच रहा है तो कहीं नलों से दूषित और दुर्गंधयुक्त पानी आने की शिकायतें मिल रही हैं। हालात ऐसे हैं कि लोगों को दैनिक जरूरतों के लिए भी पानी कमी से जूझना पड़ रहा है । स्थानीय निवासियों का आरोप है कि बार-बार शिकायत दर्ज कराने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा है।

वेस्ट ज्योति नगर, ईस्ट विनोद नगर, भजनपुरा, खजूरी खास, सोनिया विहार, यमुना विहार, घोंडा समेत कई क्षेत्रों में जलापूर्ति व्यवस्था को लेकर लोगों में नाराजगी है। निवासियों के अनुसार कई इलाकों में पानी का दबाव बेहद कम है, जिससे बहुमंजिला इमारतों की ऊपरी मंजिलों तक पानी नहीं पहुंच पाता। वहीं कुछ क्षेत्रों में पीले रंग और बदबू वाले पानी की आपूर्ति होने से लोगों की चिंताएं और बढ़ गई हैं।

क्षेत्र में लंबे समय से पानी की समस्या बनी हुई

वेस्ट ज्योति नगर एन्क्लेव आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष राज किशोर ने बताया कि क्षेत्र में लंबे समय से पानी की समस्या बनी हुई है। उनका कहना है कि पिछले करीब तीन सप्ताह से नलों में आने वाले पानी से दुर्गंध आ रही है और उसमें गंदगी भी दिखाई दे रही है। इसके कारण पीने के पानी से लेकर भोजन तैयार करने और अन्य घरेलू कार्यों तक में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कई परिवारों को मजबूरी में पैक्ड पेयजल खरीदना पड़ रहा है, जिससे घरेलू खर्च बढ़ गया है।

उधर, ईस्ट विनोद नगर समेत कुछ अन्य क्षेत्रों में अनियमित जलापूर्ति के कारण लोगों को पानी के लिए टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि टैंकर भी समय पर उपलब्ध नहीं हो पाते, जिससे पानी की व्यवस्था करना चुनौती बन गया है। क्षेत्रवासियों ने संबंधित विभाग से मांग की है कि जलापूर्ति व्यवस्था में सुधार कर स्वच्छ और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

पिछले कई दिनों से घरों में गंदा और

बदबूदार पानी आ रहा है। कई बार पानी का रंग भी पीला होता है। शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ है। - आर के नगीन

ईस्ट विनोद नगर में नियमित जलापूर्ति नहीं हो रही है। लोगों को टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ रहा है, लेकिन उनकी उपलब्धता भी पर्याप्त नहीं है। जल बोर्ड को जल्द स्थायी समाधान करना चाहिए। - डॉ . विष्णु

बोले जिम्मेदार जिला विकास समिति के चेयरमैन जितेंद्र महाजन ने कहा कि जिन जगहों से पानी सप्लाई की समस्या से जुड़ी शिकायत आती है, तुरंत समाधान किया जाता है। जल बोर्ड अधिकारियों से बात कर समस्या का समाधान करवाया जाएगा।

आगरा में मां-बेटे से दिनदहाड़े दो लाख रुपये और सोने के गहने लूटे

आगरा। थाना अछनेरा क्षेत्र में शनिवार दोपहर 2:30 बजे बाइक सवार बदमाशों ने दिनदहाड़े मां-बेटे से करीब दो लाख रुपये नकद और सोने के आभूषण लूट लिए। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया और ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार, लोहकरेरा गांव निवासी प्रिंस अपनी मां के साथ बाइक से अपनी ननिहाल गांव कचौरा जा रहे थे। जैसे ही वे विजय महारानी इंटरनेशनल एकेडमी के पास पहुंचे, तभी ग्रे रंग की अपाचे बाइक पर सवार दो युवक उनके पास आए और उनका बैग छीनकर फरार हो गए। पीड़ित के अनुसार, बैग में करीब दो लाख रुपये नकद, सोने की एक चेन और एक सोने का पैंडल रखा हुआ था। घटना के बाद पीड़ित ने शोर मचाया, लेकिन तब तक बदमाश मौके से भाग चुके थे। सूचना मिलते ही थाना अछनेरा पुलिस और एसीपी अछनेरा मौके पर पहुंच गए तथा पीड़ित से घटना की जानकारी ली। पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों में नाकाबंदी कराते हुए बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। साथ ही घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपियों की पहचान कर घटना का पर्दाफाश किया जाएगा।

मालवीय नगर अग्निकांडः कुक की गिरफ्तारी पर उठे सवाल, जंतर-मंतर पर प्रदर्शन

- मालवीय नगर अग्निकांड में कुक केशव नेगी की गिरफ्तारी के विरोध में जंतर मंतर पर प्रदर्शन हुआ

उत्तराखंडी संगठनों ने दिल्ली पुलिस पर नेगी को बलि का बकरा बनाने का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की. प्रदर्शनकारियों का कहना है कि होटल मालिकों को बचाने के लिए गरीब नेगी को फंसाया जा रहा है

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मालवीय नगर अग्निकांड में गिरफ्तार कुक केशव सिंह नेगी को लेकर दिल्ली के जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया गया. उत्तराखंडी संगठन उत्तराखंड लोक मंच ने केशव नेगी की गिरफ्तारी को गलत ठहराते हुए दिल्ली पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की और पुलिस से निष्पक्ष जांच की मांग की है।

लोगों का कहना है कि केशव नेगी को पुलिस बलि का बकरा बना रही है. केशव नेगी गरीब आदमी है इसलिए उसको फंसाया

जा रहा है. वहीं प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि अगर दिल्ली पुलिस उन्हें रिहा नहीं करती है तो उत्तराखंड होटल एसोसिएशन की तरफ से दिल्ली में बड़ी रैली भी निकालेंगे प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया है कि केशव नेगी को इस मामले में गलत तरीके से फंसाया गया है और वे निष्पक्ष जांच और उचित कानूनी राहत की मांग कर रहे हैं. इस विरोध प्रदर्शन में समर्थक इस मामले में जवाबदेही और न्याय की मांग कर रहे हैं।

कुक केशव सिंह नेगी की गिरफ्तारी पर उठे सवाल

दिल्ली के मालवीय नगर में फ्लोरिश स्टे होटल में आग लगने की घटना की दिल्ली पुलिस की जांच पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं।

सरकारी दवाइयों का ढेर मिलने से मचा हड़कंप

- स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तालबेहट। तहसील क्षेत्र के गेवरा-गुंदेरा मार्ग पर वायनाले के समीप स्थित सुनसान मगराघाट पहाड़ी क्षेत्र में बड़ी मात्रा में सरकारी दवाइयां पड़ी मिलने से हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने जब दवाइयों का ढेर देखा तो इसकी सूचना अन्य ग्रामीणों को दी, जिसके बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। बताया जा रहा है कि फेंकी गई दवाइयों में आयरन, कैल्शियम समेत विभिन्न प्रकार की सरकारी दवाएं शामिल हैं। दवाइयों की मात्रा को देखते हुए उनकी कीमत हजारों रुपये बताई जा रही है। सुनसान क्षेत्र में इस तरह सरकारी दवाओं का ढेर मिलने से स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली और दवाओं के रखरखाव को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि सरकारी धन से खरीदी गई दवाओं को जरूरतमंद मरीजों तक पहुंचाने के बजाय लापरवाहीपूर्वक फेंक दिया गया है। मामले की जानकारी क्षेत्र में तेजी से फैलने के बाद लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। वहीं, इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि जांच कराई जा रही है।

बस्ती PWD में 27 साल से जमे अधिकारी पर गंभीर आरोप, पत्नी की फर्म और 65 लाख के लेन-देन की जांच की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में भ्रष्टाचार का जिन्न 27साल बाद बाहर निकल कर आया अपना दल एस के प्रदेश सचिव मुख्य संगठन संजय सिंह पगार ने प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग और तत्कालीन प्रभारी मंत्री प्राविधिक शिक्षा एवं उपभोक्ता मामले को पत्र देकर गृह जनपद बस्ती में विगत 26-27 वर्षो से तैनात अधीक्षण अभियन्ता लोक निर्माण विभाग कार्यालय वृत्त बस्ती में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तैनात प्रेमचन्द्र पुत्र राम सेवक पर अनियमितता के अनेक गंभीर आरोप लगाते हुये उनके स्थानान्तरण और सतर्कता विभाग से उच्च स्तरीय जाँच कराये जाने की मांग किया है.भेजे पत्र में अपना दल एस के प्रदेश सचिव मुख्य संगठन संजय सिंह पगार ने कहा है कि प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तैनात प्रेमचन्द्र द्वारा ठेकेदारों व कर्मचारियों का लगातार दोहन किया जा रहा है तथा सरकारी अभिलेखों में भी फेरबदल किये जाने की शिकायत पूर्व में जन प्रतिनिधियों द्वारा की जाती रही है परन्तु प्रेमचन्द्र की ऊँची पहुँच के कारण मण्डलीय कार्यालय पर तैनाती लेते रहे हैं, जिससे इनके भ्रष्टाचार एवं कागजी हेरफेर के कारण सरकारी कार्यों में भी गोपनीयता भंग की जाती रही है।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में संजय सिंह पगार ने कहा है कि प्रेमचन्द्र ने अपनी सेवा अवधि का लगभग 90 प्रतिशत समय बस्ती वृत्त, बस्ती कार्यालय में ही व्यतीत किया है. बाबू पद से लेकर प्रशासनिक अधिकारी पद तक की उनकी अधिकांश सेवा बस्ती मण्डल में ही रही है. इतने लंबे समय तक एक ही मंडलीय कार्यालय में तैनाती से प्रशासनिक निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं विभागीय कार्यप्रणाली की गोपनीयता पर गंभीर प्रश्न उत्पन्न होते हैं. बिजली बिल में 10% बढ़ोतरी से नाराज व्यापारी, बस्ती में प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन यह भी पढ़ेः बिजली बिल में 10% बढ़ोतरी से नाराज व्यापारी, बस्ती में प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

पत्नी की फर्म के जरिए आर्थिक लाभ पहुंचाने का आरोप

श्री पगार ने बताया कि प्रेमचन्द्र द्वारा अपने पद एवं प्रभाव का कथित रूप से दुरुपयोग करते हुए ठेकेदारी व्यवस्था में हस्तक्षेप किया जाता रहा है. आरोप है कि उनके द्वारा कुछ चुनिंदा ठेकेदारों को अनुचित लाभ पहुंचाने, विभागीय गोपनीय सूचनाओं को प्रभावित करने तथा ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया में अनुचित प्रभाव डालने जैसी गतिविधियों में भूमिका निभाई गई है. इसके अतिरिक्त यह भी गंभीर आरोप है कि प्रेमचन्द्र द्वारा अपनी पत्नी श्रीमती सीमा के नाम से संचालित फर्म मेसर्स बुद्धा इंटरप्राइजेज का उपयोग स्वयं एवं अपने परिवार के सदस्यों को प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष आर्थिक लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से किया जा रहा है. उपलब्ध अभिलेखों के अनुसार उक्त फर्म की प्रोपराइटर श्रीमती सीमा है, जिसका पता रौतापार, गांधी नगर, बस्ती दर्शाया गया है. उक्त फर्म का यूनियन बैंक में है.तीन साल में खाते से 65 लाख का लेन-देन, जांच की उठी मांग।

उपलब्ध बैंक विवरण के अनुसार पिछले लगभग तीन वर्षों में उक्त फर्म के खाते में लगभग 65 लाख रुपये की क्रेडिट एवं डेबिट प्रविष्टियां पाई गई हैं, जिससे लेन-देन की प्रकृति, धन के स्रोत तथा संबंधित ठेकेदारों से संभावित संबंधों की निष्पक्ष जांच आवश्यक हो जाती है. आरोप है कि वे अपने पूर्व कार्यकाल से संबंधित अभिलेखों, कथित अनियमितताओं एवं आने वाली निविदा/ई-टेण्डरिंग प्रक्रियाओं हस्तक्षेप बनाए रखने के उद्देश्य से उसी कार्यालय में बने रहना चाहते हैं. प्रेमचन्द्र ने अपना आलीशान मकान लखनऊ में बनवा लिया है। इस प्रकार की शिकायतें पूर्व में भी जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय स्तर पर उठाई जाती रही हैं. हाल ही में भी कुछ जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रेमचन्द्र के विरुद्ध शासन स्तर पर लिखित शिकायतें प्रेषित की गई, जिसके क्रम में शासन द्वारा धारा 7 के अंतर्गत मुख्य अभियंता, बस्ती से रिपोर्ट मांगी गई. किंतु

मुख्य अभियंता, बस्ती आनन्द कुमार द्वारा एक माह से अधिक समय व्यतीत हो जाने के बावजूद शासन को अपेक्षित रिपोर्ट प्रेषित नहीं की गई. जबकि शासन की प्रक्रिया के अनुसार, किसी भी गंभीर शिकायत के क्रम में संबंधित अधिकारी से रिपोर्ट प्राप्त कर स्थानांतरण अथवा अन्य विभागीय कार्रवाई की जाती है। स्थानांतरण प्रक्रिया की पूर्व निर्धारित समय-सीमा 31 मई तक थी, परंतु रिपोर्ट समय से न भेजे जाने के कारण आवश्यक कार्रवाई प्रभावित हुई. वर्तमान में शासन द्वारा स्थानांतरण प्रक्रिया की समय-सीमा 30 जून तक बढ़ा दी गई है, इसलिए जनहित एवं प्रशासनिक पारदर्शिता की दृष्टि से यह आवश्यक है कि मुख्य अभियंता स्तर से लंबित रिपोर्ट तत्काल शासन को भेजी जाए तथा प्रेमचन्द्र का स्थानांतरण करते हुए उनके विरुद्ध प्राप्त शिकायतों की निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय जांच कराई जाए।

मानवता की एक बूंद रक्तदान करें जीवन बचाएं: सुरक्षित रक्त से मजबूत समाज की ओर

हर वर्ष 14 जून को विश्व रक्तदाता दिवस मनाया जाता है। यह केवल एक औपचारिक दिवस नहीं है बल्कि मानवता सेवा और जीवन रक्षा का वैश्विक अभियान है। इस दिन उन लाखों स्वैच्छिक रक्तदाताओं का सम्मान किया जाता है जिनके निस्वार्थ योगदान से प्रतिदिन अनगिनत लोगों को नया जीवन मिलता है। वर्ष 2026 की थीम 'मानवता की एक बूंद। रक्तदान करें। जीवन बचाएं।' इस संदेश को और अधिक प्रभावी बनाती है कि रक्तदान केवल चिकित्सा सहायता नहीं बल्कि करुणा और सामाजिक जिम्मेदारी का सबसे बड़ा प्रतीक है। रक्त ऐसा अमूल्य संसाधन है जिसे किसी प्रयोगशाला में कृत्रिम रूप से तैयार नहीं किया जा सकता। इसकी उपलब्धता पूरी तरह स्वस्थ और जागरूक नागरिकों के स्वैच्छिक रक्तदान पर निर्भर करती है। जब किसी व्यक्ति को दुर्घटना होती है तब प्रसव के दौरान अत्यधिक रक्तस्राव होता है तब कैंसर का इलाज चल रहा होता है तब थैलेसीमिया या अन्य गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को रक्त की आवश्यकता पड़ती है। ऐसे समय में किसी अनजान रक्तदाता द्वारा दिया गया रक्त जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर बन जाता है।

भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देशों में से एक है और यहां रक्त की मांग भी बहुत अधिक है। विभिन्न स्वास्थ्य रिपोर्टों के अनुसार देश में हर वर्ष लगभग 1.4 से 1.6 करोड़ यूनिट रक्त एकत्रित किया जाता है। यह संख्या बड़ी दिखाई देती है लेकिन देश की विशाल जनसंख्या और स्वास्थ्य जरूरतों को देखते हुए अभी भी कई क्षेत्रों में रक्त की कमी महसूस की जाती है। विशेष रूप से दुर्लभ रक्त समूहों और आपातकालीन स्थितियों में रक्त की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती बनी रहती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि देश की कुल आबादी का केवल एक छोटा हिस्सा भी नियमित रूप से रक्तदान करे तो रक्त की कमी की समस्या लगभग समाप्त हो सकती है। एक यूनिट रक्त को अलग अलग घटकों में विभाजित किया जा सकता है। इससे लाल रक्त कणिकाएं प्लाज्मा और प्लेटलेट्स अलग होकर तीन अलग मरीजों के उपचार में उपयोग किए जा सकते हैं। इसका अर्थ है कि एक व्यक्ति का एक बार किया गया रक्तदान तीन या उससे अधिक लोगों का जीवन बचाने में सहायक हो सकता है।

भारत में हर वर्ष लाखों मरीज रक्तदान से लाभान्वित होते हैं। सड़क दुर्घटनाओं के शिकार लोगों से लेकर हृदय शल्य चिकित्सा कराने वाले मरीजों तक और कैंसर उपचार प्राप्त कर रहे रोगियों से लेकर थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों तक सभी के लिए रक्त जीवनरेखा का काम करता है। थैलेसीमिया से पीड़ित हजारों बच्चों को नियमित अंतराल पर रक्त चढ़ाने की आवश्यकता होती है। यदि रक्तदाता आगे न आएं तो इन बच्चों के जीवन पर संकट खड़ा हो सकता है। इसी प्रकार प्रसव के दौरान होने वाले अत्यधिक रक्तस्राव के कारण हर वर्ष अनेक महिलाओं की जान जोखिम में पड़ती है। समय पर उपलब्ध रक्त उनके जीवन की रक्षा कर सकता है।

रक्तदान को लेकर समाज में कई प्रकार की भ्रांतियां भी मौजूद हैं। कुछ लोग मानते हैं कि रक्तदान करने से कमजोरी आ जाती है या स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। जबकि चिकित्सा विज्ञान के अनुसार स्वस्थ व्यक्ति द्वारा निर्धारित अंतराल पर किया गया रक्तदान पूरी तरह सुरक्षित होता है। शरीर कुछ ही समय में रक्त की कमी को पूरा कर लेता है। रक्तदान से नई रक्त कोशिकाओं के निर्माण की प्रक्रिया सक्रिय होती है और शरीर में आयरन संतुलन बनाए रखने में भी सहायता मिलती है। सबसे बड़ी बात यह है कि रक्तदान से पहले होने वाली स्वास्थ्य जांच व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य की स्थिति जानने का अवसर भी देती है।

आज आवश्यकता केवल रक्त एकत्रित करने की नहीं बल्कि नियमित और स्वैच्छिक रक्तदान की संस्कृति विकसित करने की है। कई बार विशेष अवसरों पर बड़े शिविर आयोजित होते हैं और पर्याप्त मात्रा में रक्त एकत्र हो जाता है लेकिन वर्ष भर निरंतर रक्त की उपलब्धता बनाए रखना अधिक महत्वपूर्ण है। इसके लिए युवाओं को विशेष रूप से प्रेरित करने की आवश्यकता है। कॉलेजों विश्वविद्यालयों और सामाजिक संगठनों को नियमित जागरूकता अभियान चलाने चाहिए ताकि रक्तदान को एक सामाजिक आंदोलन का रूप दिया जा सके।

डिजिटल युग में तकनीक भी रक्तदान अभियान को नई दिशा दे सकती है। मोबाइल एप और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से रक्तदाताओं का राष्ट्रीय नेटवर्क तैयार किया जा सकता है। आवश्यकता पड़ने पर निकटतम रक्तदाता से तुरंत संपर्क स्थापित किया जा सकता है। इससे आपातकालीन परिस्थितियों में समय की बचत होगी और मरीजों को शीघ्र सहायता मिल सकेगी। कई राज्यों में ऐसे प्रयास शुरू हुए हैं लेकिन इन्हें और व्यापक बनाने की आवश्यकता है।

स्कूल स्तर पर भी रक्तदान के महत्व के बारे में शिक्षा दी जानी चाहिए। भले ही विद्यार्थी रक्तदान की आयु तक न पहुंचे हों लेकिन उनमें सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित की जा सकती है। जब वे युवा बनेंगे तब स्वाभाविक रूप से रक्तदान को अपने सामाजिक कर्तव्य के रूप में स्वीकार करेंगे। इसी प्रकार परिवारों में भी रक्तदान को लेकर सकारात्मक चर्चा होनी चाहिए ताकि नई पीढ़ी प्रेरित हो सके। सरकारों और स्वास्थ्य संस्थानों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। रक्त बैंकों की संख्या और गुणवत्ता बढ़ाने के साथ साथ आधुनिक परीक्षण सुविधाओं को मजबूत करना आवश्यक है। सुरक्षित रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए गुणवत्ता मानकों का कठोर पालन किया जाना चाहिए। ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों तक रक्त सेवाओं की पहुंच बढ़ाना भी समय की मांग है। जब तक हर व्यक्ति को आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित रक्त उपलब्ध नहीं होगा तब तक स्वास्थ्य सुरक्षा का लक्ष्य अधूरा रहेगा।

सामाजिक संगठनों धार्मिक संस्थाओं उद्योग जगत और शैक्षणिक संस्थानों को भी इस अभियान से जुड़ना चाहिए। यदि प्रत्येक संस्था वर्ष में कुछ रक्तदान शिविर आयोजित करे और अपने सदस्यों को नियमित रक्तदान के लिए प्रेरित करे तो देश में रक्त की उपलब्धता कई गुना बढ़ सकती है। रक्तदान को केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि निरंतर चलने वाली सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में अपनाना होगा।

विश्व रक्तदाता दिवस हमें यह याद दिलाता है कि मानवता की सबसे बड़ी ताकत परस्पर सहयोग में निहित है। जब कोई व्यक्ति रक्तदान करता है तब वह केवल रक्त नहीं देता बल्कि किसी परिवार को उम्मीद देता है किसी मां को उसका बेटा लौटाता है किसी बच्चे को भविष्य देता है और किसी मरीज को जीवन का दूसरा अवसर प्रदान करता है। यही कारण है कि रक्तदान को महादान कहा जाता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम रक्तदान को उत्सव नहीं बल्कि आदत बनाएं। यदि प्रत्येक सक्षम नागरिक वर्ष में एक या दो बार भी स्वेच्छा से रक्तदान करे तो भारत न केवल अपनी रक्त आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है बल्कि सुरक्षित रक्त उपलब्धता के क्षेत्र में दुनिया के लिए उदाहरण बन सकता है। विश्व रक्तदाता दिवस 2026 का संदेश स्पष्ट है। मानवता की रक्षा के लिए किसी बड़े त्याग की आवश्यकता नहीं है। केवल कुछ मिनट का समय और एक यूनिट रक्त किसी की पूरी जिंदगी बदल सकता है। आइए संकल्प लें कि हम स्वयं रक्तदान करेंगे और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे। क्योंकि जब रक्त की एक बूंद किसी जीवन को बचाती है तब वह केवल चिकित्सा नहीं बल्कि मानवता की सबसे सुंदर अभिव्यक्ति बन जाती है।

कांतिलाल मांडोत

मोदी सरकार में वो समस्याएं जो अभी तक नहीं सुधरीं

संपादक/लेखकः राजीव शुक्ला

इस बात में कोई दो राय नहीं है कि 2014 के बाद से अब तक भारत ने काफी तरक्की की है लेकिन इसमें यह भी है कि अभी तक बहुत सी ऐसी समस्याएं हैं जिनमें सुधार होना बाकी है। 2014 से 2026 तक 12 साल की सत्ता में मोदी सरकार ने योजनाओं, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और वैश्विक छवि पर काम किया। लेकिन कुछ संरचनात्मक समस्याएं ऐसी हैं जो चुनावी नारों और सरकारी रिपोर्टों के बावजूद ज़मीन पर बनी हुई हैं। ये समस्याएं आम आदमी की रोज़मर्रा की ज़िंदगी से सीधे जुड़ती हैं। इसमें सबसे पहले आती है बेरोज़गारी और अनौपचारिक क्षेत्र की अस्थिरता। हालांकि बेरोजगारी को कम करने के लिए सरकार ने बहुत प्रयास किए हैं लेकिन अभी कई प्रयास करने वाकी हैं। सरकारी आंकड़े कहते हैं कि बेरोज़गारी दर 2017 के मुकाबले घटी है। लेकिन हकीकत में समस्या की प्रकृति बदली है। गुणवत्तापूर्ण रोज़गार की कमी भारतीयों को खल रही है। हर साल 1.2 करोड़ युवा श्रम बाजार में आते हैं, लेकिन प्राइवेट सेक्टर में वेतन बढ़ोतरी धीमी है। आईटी और स्टार्टअप में छंटनी ने मिडिल क्लास की चिंता बढ़ाई है। अनौपचारिक क्षेत्र पर असरः नोटबंदी, GST और कोविड के बाद छोटे दुकानदार, ठेले वाले और दिहाड़ी मजदूर पूरी तरह उभर नहीं पाए। CMIE और NSSO के सर्वे बताते हैं कि स्वरोज़गार बढ़ा है, लेकिन ये ज़्यादातर मजबूरी का स्वरोज़गार है। कृषि संकट और किसान की आय के लिए बहुत समय से बात चल रही है लेकिन अभी तक इस पर कोई ठोस नीति नहीं बन सकी है।

2016 में सरकार ने 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य रखा था। 2026 तक वो लक्ष्य पूरा नहीं हुआ। MSP की सीमित पहुंच : सिर्फ गेहूं-धान के किसान ही MSP का फायदा ले पाते हैं। दाल, तिलहन, फल-सब्जी वाले किसान मंडी के भाव पर निर्भर हैं। कर्ज और जलवायु जोखिमः को लेकर किसान हमेशा से परेशान रहा है। फसल बीमा योजना ने कुछ राहत दी, लेकिन अतिवृष्टि, सूखा और आवारा पशु की समस्या बनी हुई है। तीन कृषि कानूनों के विरोध के बाद सरकार बैकफुट पर आ गई और बड़े कृषि सुधार रुके हुए हैं।

शिक्षा और स्वास्थ्य में गुणवत्ता का अंतर

शिक्षाः NEP 2020 ने ढांचा बदला, लेकिन सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी, ड्रॉपआउट रेट और लर्निंग आउटकम अब भी कमजोर हैं। ASER रिपोर्ट लगातार बताती है कि कक्षा 5 का बच्चा कक्षा 2 का पाठ नहीं पढ़ पाता। इसी तरह स्वास्थ्यः आयुष्मान भारत ने कवरेज बढ़ाया, लेकिन ग्रामीण इलाकों में डॉक्टर, नर्स और दवाओं की कमी है। निजी अस्पताल महंगे हैं, और आउट-ऑफ-पॉकेट खर्च भारत में अब भी GDP का 50% से ज्यादा है।

महंगाई का मध्यम वर्ग पर दबाव बहुत बढ़ता जा रहा है। तेल, सब्जी, दाल और किराये की कीमतों में उछाल ने मध्यम वर्ग को सबसे ज्यादा प्रभावित किया। सरकार ने टैक्स स्लैब बदले, लेकिन प्रत्यक्ष कर का बोझ अब भी वेतनभोगी वर्ग पर ज्यादा है।

कोर महंगाई भले नियंत्रण में रही हो, लेकिन खाद्य महंगाई 2022-2024 में दो बार 10% पार कर गई। RBI के बार-बार रेपो रेट बढ़ाने से EMI बढ़ी और घर खरीदना मुश्किल हुआ। नौकरशाही और भ्रष्टाचार की जड़ें मजबूत हो रहीं हैं। DBT और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने बिचौलियों को कम किया, लेकिन ज़मीन-रजिस्ट्री, पुलिस, म्यूनिसिपल सर्विस में भ्रष्टाचार खत्म नहीं हुआ। विपक्ष का आरोप है कि ED, CBI जैसी एजेंसियों का राजनीतिक इस्तेमाल बढ़ा है। वहीं सरकार कहती है कि भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई हो रही है। नतीजा ये है कि आम आदमी का भरोसा सिस्टम पर आंशिक ही बहाल हुआ है।

सामाजिक ध्रुवीकरण और संवाद की कमी पिछले 12 साल में धार्मिक और क्षेत्रीय मुद्दे राष्ट्रीय बहस में हावी रहे। इससे विकास और रोज़गार जैसे मुद्दे कई बार बैकसीट पर चले गए। मीडिया और सिविल सोसाइटी का स्पेस सिकुड़ने की शिकायत विपक्ष और पत्रकार संगठनों से आती रही है। सरकार का पक्ष है कि फेक न्यूज़ और अस्थिरता रोकने के लिए नियम जरूरी हैं। राज्य-केंद्र संबंध और संघीय ढांचा

GST लागू होने के बाद राज्यों को मुआवज़ा देने का वादा 2022 में खत्म हो गया। अब कई राज्य कहते हैं कि उनका फिस्कल स्पेस सिकुड़ गया है।

केंद्रीय योजनाओं के नाम पर राज्यों की भूमिका सीमित हो गई है, जिससे संघीय संतुलन पर सवाल उठते हैं। सुधार हुआ, पर असमान गति से मोदी सरकार ने बुनियादी सुविधाओं, डिजिटल ट्रांजैक्शन और इंफ्रास्ट्रक्चर में ठोस काम किया है। उज्ज्वला, जनधन, सड़क, रेल और UPI इसका उदाहरण हैं। लेकिन रोज़गार की गुणवत्ता, कृषि आय, शिक्षा-स्वास्थ्य की ग्राउंड लेवल क्वालिटी, और महंगाई जैसी समस्याएं अभी भी सिस्टम की कमज़ोरी दिखाती हैं। 2026 तक सरकार की सबसे बड़ी चुनौती ये है कि वो कल्याणकारी योजनाओं के साथ-साथ प्रोडक्टिविटी और प्राइवेट इन्वेस्टमेंट को भी तेज़ करे, ताकि ये समस्याएं चुनावी मुद्दे बनकर न रह जाएं बल्कि हल हों।

शहीद कहलाने लायक भी नहीं माने गए... सिर्फ नाविक थे न

[राष्ट्र के लिए जान देने वाले, राष्ट्र की नजर में अनजान क्यों?]

[हार्मुज-ओमान क्षेत्र की लहरें अब तेल नहीं, भारतीय खून बहा रही हैं]

कुछ मौतें केवल परिवारों को नहीं रुलातीं, वे राष्ट्र के विवेक को भी कठघरे में खड़ा कर देती हैं। जून 2026 में दुनिया फीफा विश्व कप की चमक-दमक और जीत-हार के रोमांच में डूबी है, लेकिन इसी बीच हार्मुज के निकट ओमान की खाड़ी ने तीन भारतीय नाविकों की अंतिम पुकार अपने भीतर समेट ली। पलाउ-ध्वजांकित टैंकर पर अमेरिकी मिसाइल हमले में विशाखापट्टनम के मुख्य अभियंता पटनाला सुरेश, डेक कैडेट आदित्य शर्मा और फिटर शिवानंद चौरसिया की मृत्यु केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि उस कठोर सच्चाई का प्रतीक है जिसे वैश्विक राजनीति अक्सर आंकड़ों और बयानों के नीचे दबा देती है। जिनके श्रम से दुनिया के कारखाने चलते हैं और जिनकी मेहनत से ऊर्जा के स्रोत देशों तक पहुँचते हैं, वही संकट की घड़ी में सबसे अधिक अकेले छोड़ दिए जाते हैं। दुनिया की अर्थव्यवस्था की धड़कन अक्सर उन समुद्री मार्गों से गुजरती है, जिनके नाम अधिकांश लोग नहीं जानते। स्ट्रेट ऑफ हार्मुज ऐसा ही एक संकरा जलमार्ग है, जो केवल रास्ता नहीं बल्कि वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था की जीवनरेखा है। दुनिया के बड़े हिस्से तक तेल और गैस इसी से गुजरते हैं। भारत, जो तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है, उसकी विकास यात्रा भी इसकी स्थिरता पर निर्भर है। इसलिए जब हार्मुज में तनाव बढ़ता है, तो केवल तेल के दाम नहीं, बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था की नब्ज अस्थिर हो जाती है। उद्योग, परिवहन, बाजार और घरेलू बजट–सब इसकी आंच झेलते हैं। लेकिन इन चर्चाओं के बीच एक सच अक्सर छूट जाता है– इन समुद्री मार्गों के असली आधार नाविक ही सबसे असुरक्षित और उपेक्षित कड़ी हैं।

इतिहास की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि सभ्यताओं को आगे बढ़ाने वाले लोग अक्सर इतिहास के पन्नों से बाहर रह जाते हैं। भारतीय नाविक भी इसी पीड़ा के हिस्सेदार हैं। वे सीमा पर तैनात सैनिक नहीं, न ही उनके कंधों पर सितारे हैं, फिर भी उनका योगदान किसी राष्ट्रीय सेवा से कम नहीं। महीनों समुद्र में रहना, परिवार से दूरी, अनिश्चित मौसम और जोखिमों के बीच भी वैश्विक व्यापार को गति देना उनका असाधारण समर्पण है। सैनिक के शहीद होने पर राष्ट्र खड़ा हो जाता है, लेकिन नाविक की मृत्यु अक्सर खबरों में खो जाती है। इसलिए सवाल और गहरा हो जाता है–क्या इन्हें केवल कर्मचारी मानना उचित है, या राष्ट्रीय हितों के वास्तविक संरक्षक के रूप में स्वीकार करना चाहिए?

समाचार चैनलों की बहसें अक्सर घटनाओं को शक्ति-संघर्ष की भाषा में बाँध देती हैं, जबकि केंद्र में इंसानी जीवन होता है। हार्मुज की यह त्रासदी भी इसी प्रवृत्ति का शिकार है–कहीं इसे अमेरिका-ईरान तनाव, तो कहीं भारत-अमेरिका संबंधों की कसौटी के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन इन विश्लेषणों में वह भारतीय युवक खो जाता है, जिसने रोजगार, सपनों और परिवार की उम्मीद में समुद्र का रास्ता चुना। भारत सरकार ने अमेरिकी राजनयिक को तलब कर विरोध दर्ज कराया है, पर क्या केवल विरोध पर्याप्त है? क्या नाविकों की सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा नहीं बनना चाहिए? जब तक उनकी सुरक्षा सुनिश्चित नहीं होती, ऊर्जा, आर्थिक और समुद्री सुरक्षा अधूरी रहेंगी।

एक सशक्त राष्ट्र की पहचान केवल उसकी सैन्य क्षमता से नहीं, बल्कि अपने नागरिकों के प्रति जिम्मेदारी से होती है। भारत को हर नाविक के लिए वास्तविक समय सुरक्षा नेटवर्क, संकट क्षेत्रों में निगरानी, मजबूत राजनयिक सहायता, बीमा और त्वरित बचाव व्यवस्था विकसित करनी होगी। नौसेना की भूमिका केवल डकैती रोकने तक सीमित नहीं, बल्कि जरूरत पर नागरिक सुरक्षा के लिए एस्कॉर्ट मिशन और सुरक्षित समुद्री गलियारों तक भी बढ़नी चाहिए। वैश्विक शक्ति बनने के लिए भारत को 'सॉफ्ट पावर' के साथ 'प्रोटेक्टिव पावर' भी विकसित करनी होगी, जो अपने नागरिकों को कहीं भी असुरक्षित न छोड़े।

यह समय विकास और मानवीय संवेदना के बीच गहरे विरोधाभास को समझने का अवसर देता है। एक ओर फीफा वर्ल्ड कप में जश्न है, दूसरी ओर भारत के कुछ परिवार शोक में डूबे हैं। स्टेडियमों में तालियाँ गूंज रही हैं, लेकिन समुद्र में खोए जीवनों की प्रतिध्वनि सुनने वाला कोई नहीं। एक ओर एआई, अंतरिक्ष अभियानों और खरबों की संपत्ति की चर्चा है, दूसरी ओर वे नाविक हैं जिनकी मृत्यु पर दुनिया औपचारिक संवेदना देकर आगे बढ़ जाती है। यह असमानता केवल आर्थिक नहीं, बल्कि नैतिक भी है। यदि आधुनिक सभ्यता अपने श्रमजीवियों को सम्मान नहीं दे पाती, तो उसकी उपलब्धियाँ अधूरी और खोखली हैं।

भारत आज ऐसे दौर में है जहाँ भावनात्मक प्रतिक्रियाओं से अधिक रणनीतिक परिपक्वता आवश्यक है। वह न अमेरिका का अंधानुकरण कर सकता है, न ईरान या चीन से पूरी तरह जुड़ सकता है। उसकी वास्तविक शक्ति स्वतंत्र विदेश नीति, मजबूत अर्थव्यवस्था, युवा जनसंख्या और बहुआयामी वैश्विक संबंधों में निहित है। रूस से सस्ता तेल हो या पश्चिम से साझेदारी, भारत ने दिखाया है कि वह अपने हित में निर्णय लेने में सक्षम है। लेकिन अब इस स्वतंत्रता को समुद्री और ऊर्जा सुरक्षा की ठोस नीतियों में बदलना होगा। 'प्रोजेक्ट कुशा' जैसी स्वदेशी रक्षा पहलों के साथ-साथ समुद्री सुरक्षा को राष्ट्रीय रणनीति का केंद्रीय हिस्सा बनाना जरूरी है।समुद्र की यह त्रासदी मन को झकझोर देने वाला संदेश छोड़ जाती है, जिसे अनदेखा करना भविष्य के प्रति लापरवाही होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को अब समुद्री क्षेत्र में भी सशक्त रूप देना होगा। अधिक भारतीय ध्वज वाले जहाज, बेहतर प्रशिक्षण, नाविकों के अधिकारों की वैश्विक वकालत और सुरक्षित समुद्री ढांचा अब अनिवार्य हैं। हार्मुज की लहरों में खोया भारतीय जीवन केवल शोक नहीं, चेतावनी है। यह स्पष्ट करता है कि 21वीं सदी के संघर्ष सीमाओं से नहीं, ऊर्जा मार्गों और समुद्री रास्तों से तय हो रहे हैं। अब निर्णय हमारे हाथ में है–क्या हम इन नायकों को भूलेंगे, या उनकी शहादत को ऐसी नीति में बदलेंगे जो भारत को सुरक्षा, संतुलन और जिम्मेदारी की नई पहचान दे।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

कविता

शिक्षा का कवच।

पलकों पे शाम का इंतजार
पाया।
हर लम्हे ने सुकून-ए-समंदर
पाया,
तेरे इश्क़ में खुद को सिकंदर
पाया।

आँखों में तेरे ख़्वाब के
मंसूबे जले,
ख़्वाब ने रौशनी का समंदर
पाया।

दर्दों में हमेशा तेरी ही आहट
रही,
ज़ख्मों ने तेरे नाम का मरहम
पाया।

तेरे लबों की हँसी में सवेरा
खिला,
पलकों पे शाम का इंतजार
पाया।

वादों में तेरे चाहत का जादू
रहा,
तन्हाई ने गुफ्तगू का मंजर
सजाया।

तेरी सांसों में महकती रही
जन्नतें,
हर साँस ने रूह का सफ़र
पाया।

तेरी राहों में चलकर ये
एहसास हुआ,
इश्क़ में तेरे मैने रूहानी असर
पाया।

हर लम्हा तुझसे गुज़र के
बोला,
संजीव ने इश्क़ में समंदर
पाया।

संजीव ठाकुर

दैनिक राशिफल

मेष आज कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आर्थिक मामलों में सावधानी रखें। परिवार का सहयोग मिलेगा। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल है। शुभ रंगः लाल 7 शुभ अंकः 9

वृषभ पुराने रुके हुए कार्य पूरे होने की संभावना है। नौकरीपेशा लोगों को वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा। निवेश सोच-समझकर करें।
शुभ रंगः सफेद 7 शुभ अंकः 6

मिथुन व्यापार में लाभ के संकेत हैं। मित्रों से मुलाकात हो सकती है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन खान-पान पर ध्यान दें।
शुभ रंगः हरा 7 शुभ अंकः 5

कर्क पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। किसी महत्वपूर्ण निर्णय में जल्दबाजी न करें। धन आगमन के नए स्रोत बन सकते हैं।
शुभ रंगः क्रीम 7 शुभ अंकः 2

सिंह आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी और व्यवसाय में प्रगति के योग हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।
शुभ रंगः सुनहरा 7 शुभ अंकः 1

कन्या कामकाज में व्यस्तता बनी रहेगी। किसी पुराने मित्र से शुभ समाचार मिल सकता है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।
शुभ रंगः हरा 7 शुभ अंकः 7

तुला दांपत्य जीवन में मधुरता रहेगी। नई योजनाओं पर कार्य शुरू कर सकते हैं। यात्रा के योग बन रहे हैं। शुभ रंगः गुलाबी 7 शुभ अंकः 6

वृश्चिक गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें। नौकरी में बदलाव का विचार बन सकता है। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न बरतें।
शुभ रंगः लाल 7 शुभ अंकः 8

धनु भाग्य का साथ मिलेगा। शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के संकेत हैं। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। शुभ रंगः पीला 7 शुभ अंकः 3

मकर कार्यक्षेत्र में मेहनत का फल मिलेगा। संपत्ति संबंधी मामलों में लाभ हो सकता है। परिवार के साथ समय बिताएं। शुभ रंगः नीला 7 शुभ अंकः 8

कुंभ नई योजनाएं लाभदायक सिद्ध होंगी। व्यापार में विस्तार के अवसर मिल सकते हैं। जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा।
शुभ रंगः आसमानी 7 शुभ अंकः 4

मीन मानसिक शांति बनी रहेगी। आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। किसी शुभ समाचार से मन प्रसन्न रहेगा।
शुभ रंगः पीला 7 शुभ अंकः 7

उपाय सुबह सूर्य को जल अर्पित करें और अपने इष्टदेव का स्मरण करें। इससे दिनभर सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी।

सनातन आस्था का पर्व सोमवती अमावस्या और मिथुन संक्रांति

सनातन परंपरा और वैदिक ज्योतिष में ग्रहों के गोचर का गहरा महत्व है। वर्ष 2026 में एक अद्भुत और दुर्लभ ज्योतिषीय संयोग बनने जा रहा है। 15 जून 2026 को एक ही दिन में कई बड़े धार्मिक अवसर एक साथ घटित हो रहे हैं। सोमवार होने के कारण यह पवित्र सोमवती अमावस्या कहलाएगी, साथ ही यह भगवान शिव को समर्पित सोमवार व्रत का भी दिन है। सबसे बड़ा संयोग यह है कि ठीक इसी दिन भगवान सूर्य अपनी वृषभ राशि की यात्रा पूरी करके मिथुन राशि में प्रवेश करेंगे जिसे मिथुन संक्रांति के रूप में मनाया जाता है। इसके अतिरिक्त वर्ष 2026 में यह तिथि ज्येष्ठ अधिक मास की अमावस्या भी है। जब ऐसे अनेक अवसर 24 घंटों के भीतर एक साथ उत्पन्न होते हैं तो विशिष्ट दिन की ऊर्जा अपने चरम पर होती है। इस पावन दिन पर ब्रह्मांड की सकारात्मक शक्तियां मनुष्य को आत्मिक शांति तथा पुण्यों की प्राप्ति का अवसर प्रदान करती हैं।

भारतीय पंचांग के अनुसार 14 जून 2026 को दोपहर 12:20 बजे अमावस्या तिथि का आरंभ होगा और इसका समापन अगले दिन 15 जून 2026 को प्रातः 08:23 बजे होगा। हिंदू धर्म में उदया तिथि का विशेष महत्व होता है जिसके नियम के अनुसार सूर्योदय के समय जो तिथि आकाश में होती है उसी को मान्य माना जाता है। चूंकि 15 जून 2026 को सूर्योदय के समय अमावस्या तिथि उपस्थित रहेगी इसलिए सोमवती अमावस्या का व्रत, स्नान, दान और अनुष्ठान इसी दिन संपन्न किए जाएंगे। सोमवार के दिन अमावस्या का पड़ना बड़ा संयोग है क्योंकि चंद्रमा भगवान शिव के मस्तक पर विराजमान हैं। चंद्र देव को मानव मन का कारक माना गया है और अमावस्या के दिन चंद्रमा दिखाई नहीं देता जिसका अर्थ है कि मन के अंधकार को दूर करने के लिए यह सबसे उत्तम समय है।

सोमवती अमावस्या के दिन पितरों का स्मरण करना और तर्पण तथा श्राद्ध कर्म करना अत्यंत पुण्यकारी माना गया है। मान्यता है कि इस दिन पवित्र नदियों में स्नान करने से पूर्व जन्मों के पाप धुल जाते हैं और पितृ दोष से मुक्ति मिल जाती है। जो श्रद्धालु नदियों तक नहीं जा सकते वे घर में ही जल में गंगाजल मिलाकर स्नान कर सकते हैं। इस पावन अवसर पर सुहागिन महिलाओं द्वारा पीपल के वृक्ष की पूजा करने का प्राचीन विधान है। पीपल के पेड़ में भगवान विष्णु, शिव और ब्रह्मा जी का वास माना जाता है। महिलाएं पति की लंबी आयु और परिवार के उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हुए पीपल की 108 बार परिक्रमा करती हैं और उसे कच्चे सूत के धागे से बांधती हैं।

इसी विशेष दिन दोपहर 12:58 बजे सूर्य देव अपनी यात्रा के अगले चरण में मिथुन राशि में प्रवेश करेंगे जिससे मिथुन संक्रांति का पावन पर्व आरंभ होगा। भगवान सूर्य का गोचर करना संक्रांति कहलाता है। मिथुन संक्रांति के साथ ही ग्रीष्म ऋतु के बाद वर्षा ऋतु के आगमन की आहट होने लगती है। प्रकृति हरा भरा रूप धारण करती है और कृषि कार्यों की शुरुआत के लिए यह समय शुभ माना जाता है। भारत के कई हिस्सों में इस समय को रजो पर्व के रूप में धूमधाम के साथ मनाया जाता है। जब सूर्य देव मिथुन राशि में प्रवेश करते हैं तो प्राणियों की बौद्धिक क्षमता में सकारात्मक वृद्धि होती है। मिथुन संक्रांति का पुण्य काल दोपहर 12:59 बजे से लेकर शाम 07:20 बजे तक रहेगा जबकि महा पुण्य काल का समय दोपहर 12:59 बजे से दोपहर 03:19 बजे तक रहेगा जो पूजा पाठ के लिए सर्वोत्तम है।

वर्ष 2026 में यह अमावस्या ज्येष्ठ अधिक मास में पड़ रही है जो इस दिन के महत्व को बहुत बढ़ा देती है। अधिक मास को पुरुषोत्तम मास भी कहा जाता है और यह भगवान विष्णु को अत्यंत प्रिय है। तीन वर्षों में एक बार आने वाले इस मास के कारण दिन की पवित्रता सघन हो जाती है। एक ही दिन में भगवान शिव, सूर्य और श्री हरि विष्णु की आराधना का एकत्रित होना अद्भुत आध्यात्मिक संगम है। मान्यता है कि अधिक मास में किए गए किसी धार्मिक कार्य का फल लाखों गुना अधिक मिलता है। इसलिए इस दुर्लभ अवसर पर श्रीमद्भागवत गीता का पाठ करना, विष्णु सहस्रनाम का जाप करना और सत्यनारायण भगवान की कथा सुनना असीम शांति का मार्ग प्रशस्त करता है।

इस महा संयोग के दौरान दान का महत्व पुराणों में अनंत बताया गया है। 15 जून 2026 का दिन शिव और शक्ति, सूर्य और चंद्र तथा जल और अग्नि तत्वों के बीच सामंजस्य का दिन है। इस दिन प्यासों को जल पिलाना, छाता देना, सूती वस्त्र, अन्न, जूते चप्पल और फलों का दान करना कल्याणकारी माना जाता है। इस दिन के शुभ मुहूर्तों की बात करें तो ब्रह्म मुहूर्त प्रातः 04:03 बजे से 04:43 बजे तक रहेगा। इस शांत समय में ध्यान लगाना और महामृत्युंजय मंत्र का जाप करना बड़े कष्टों को दूर कर सकता है। इसके अलावा अभिजित मुहूर्त सुबह 11:54 बजे से दोपहर 12:50 बजे तक रहेगा जो किसी भी शुभ संकल्प के लिए सर्वश्रेष्ठ समय है। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग का निर्माण हो रहा है जो सफलता दिलाने वाला माना गया है। इस दिन प्रत्येक व्यक्ति को सात्विक भोजन ग्रहण करना चाहिए और व्यसनों से दूर रहना चाहिए। किसी पर क्रोध न करना और वाणी में मधुरता बनाए रखना आवश्यक है। मौन का पालन करना और भीतर के विचारों को देखना सच्ची तपस्या है। यह दिन केवल कर्मकांडों तक सीमित रहने का नहीं है बल्कि यह अज्ञान के अंधकार को मिटाकर सूर्य के समान चमकने का आमंत्रण है। प्रकृति माता, पूर्वजों और परमात्मा का आशीर्वाद प्राप्त करने का यह अवसर कई वर्षों बाद प्राप्त होता है। पूर्ण श्रद्धा और विश्वास के साथ इस दिन का स्वागत करना चाहिए।

महेन्द्र तिवारी

स्वामी– स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

बोरिंग के दौरान हाईटेंशन लाइन की चपेट में आया पाइप श्रमिक की मौत

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के लोधीपुर उतरावां गांव में समरसेबल बोरिंग का काम करते समय बड़ा हादसा हो गया। हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से एक श्रमिक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। भदोखर थाना क्षेत्र के मीरगंज मजरे विनोहरा निवासी गंगाराम (26) पुत्र रामचंद्र और शुभम (24) लोधीपुर उतरावां गांव में सुखराम नाई के खेत में समरसेबल बोरिंग का कार्य कर रहे थे। बताया गया कि बोरिंग का पाइप निकालते समय उसका ऊपरी हिस्सा ऊपर से गुजर रही 11 केवी हाईटेंशन लाइन से छू गया। इससे दोनों श्रमिक करंट की चपेट में आ गए और गंभीर रूप से झुलस गए। मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह दोनों को बाहर निकाला और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डलमऊ पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद गंगाराम को मृत घोषित कर दिया। वहीं शुभम की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामले में डलमऊ पुलिस विधिक कार्रवाई कर रही है।

झमाझम बारिश से मिली राहत अस्पताल परिसर में भरा पानी, नाले की दीवार ढही

सीएचसी परिसर में भरा पानी,मरीजों और तीमारदारों को हो रही दिक्कत

लालगंज (रायबरेली)। कस्बा सहित आसपास के क्षेत्र में शनिवार सुबह हुई झमाझम बारिश से लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत मिली। हालांकि कई स्थानों पर जलभराव होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।घोसियाना मोहल्ले में सड़क पर पानी भर गया। तेज बारिश के कारण पानी कई घरों के भीतर तक पहुंच गया। इससे लोगों को काफी दिक्कत हुई। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में भी जलभराव की स्थिति रही। पुरानी बिल्डिंग के सामने पानी जमा हो गया। इलाज कराने आए मरीजों और उनके तीमारदारों को आने जाने में परेशानी उठानी पड़ी। पर्चा काउंटर तक पहुंचने में भी लोगों को कठिनाई हुई। टीकाकरण कक्ष के रास्ते में पानी भर गया इससे पुरानी बिल्डिंग परिसर में ही बच्चों का टीकाकरण किया गया। बारिश का पानी औषधि भंडार गृह के शेड के नीचे तक पहुंच गया। वहां रखे दवाओं से भरे कई गत्ते भीग गए। इससे दवाओं के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। उधर विकास विभाग की ओर से फतेहपुर रोड पर कोतवाली के सामने बन रहे नाले की एक तरफ की दीवार ढह गई।नवनिर्मित नाले में पानी लबालब भर गया। दीवार गिरने के बाद स्थानीय लोगों ने निर्माण कार्य में प्रयुक्त सामग्री की गुणवत्ता पर सवाल उठाए हैं।

मोहर्रम को लेकर कोतवाली में पीस कमेटी की बैठक, शांति व सौहार्द बनाए रखने की अपील

महराजगंज/रायबरेली। मोहर्रम पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से गुरुवार को कोतवाली परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कोतवाली प्रभारी जगदीश यादव ने की। इस दौरान क्षेत्र के संभ्रांत नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं ताजियादारों के साथ त्योहार को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। कोतवाली प्रभारी जगदीश यादव ने ताजियादारों से कहा कि ताजिया केवल चिन्हित एवं निर्धारित स्थानों पर ही रखी जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि ताजिया जुलूस के दौरान यदि किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न हो तो तत्काल पुलिस प्रशासन को सूचित करें। साथ ही मार्ग में ऊंचाई या चौड़ाई संबंधी किसी भी प्रकार की बाधा आने पर आपसी सामंजस्य और समझदारी के साथ उसका समाधान करते हुए ताजिया को आगे बढ़ाया जाए, ताकि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी रहे। उन्होंने कहा कि प्रशासन की ओर से त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। बैठक में उपस्थित लोगों से हिंदू-मुस्लिम एकता एवं आपसी भाईचारे की परंपरा को बनाए रखते हुए सौहार्दपूर्ण वातावरण में पर्व मनाने की अपील की गई। बैठक में चौकी प्रभारी थुलवासा राहुल मिश्रा, जितेंद्र यादव, आसिफ, जैनुल आबेदीन उर्फ लाल मनिहार, साहबान, अख्तर सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक एवं ताजियादार मौजूद रहे।

रहीमाबाद:वन विभाग पर गंभीर आरोप: वन दरोगा पर पेड़ों की कटान और अवैध वसूली के आरोप

● .....रहीमाबाद क्षेत्र में वन विभाग की कार्यशैली पर उठे सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ के मलिहाबाद रेंज अंतर्गत रहीमाबाद क्षेत्र में वन विभाग के एक दरोगा पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। स्थानीय ग्रामीणों और सूत्रों का दावा है कि वन विभाग की जिम्मेदारी संभालने वाले अधिकारी की निगरानी में ही पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले कार्य हो रहे हैं, जिससे विभाग की छवि धूमिल हो रही है।

विभागीय भूमि पर लगे पेड़ों की कटान का आरोप

सूत्रों के अनुसार वन दरोगा मोहम्मद ताहिर पर आरोप है कि उन्होंने एक ठेकेदार के माध्यम से विभागीय भूमि पर खड़े पेड़ों की कटान कराई है। आरोप है कि इसके बदले ठेकेदार से मासिक आर्थिक लाभ लिया जा रहा है। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है।

किसान के बाग से आम तुड़वाने का भी आरोप

क्षेत्र के कैथोलिया सभाखेड़ा गांव में एक बुजुर्ग महिला ने आरोप लगाया कि उनके आम के बाग में कुछ लोग पहुंचे और आम तोड़ने लगे। विरोध करने पर कथित रूप से उन्होंने कहा कि आम में आधा हिस्सा दरोगा का और आधा उनका है। इस घटना के बाद ग्रामीणों में नाराजगी देखी जा रही है।

शनिवार सुबह नीम का पेड़ काटे जाने की चर्चा

ग्रामीणों के अनुसार शनिवार सुबह करीब पांच बजे कैथोलिया सभाखेड़ा गांव के पास एक नीम के पेड़ को काट दिया गया। आरोप है कि पेड़ काटने वाले लोग मौके से फरार हो गए। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार पेड़ों की कटान की घटनाएं सामने आ रही हैं।

जालामऊ और सहीजना क्षेत्र में हजारों पेड़ कटवाने का आरोप

स्थानीय लोगों का दावा है कि जालामऊ और सहीजना स्थित वन विभाग के जंगलों में बड़ी संख्या में बबूल के पेड़ों की कटान हुई है। आरोप है कि इन मामलों में भी जिम्मेदार अधिकारियों ने कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की।

पेड़ों को पहले सुखाने फिर कटवाने का आरोप

सूत्रों का कहना है कि पेड़ों की कटान से पहले उनकी जड़ों में तेजाब डाला जाता है, जिससे पेड़ धीरे-धीरे सूख जाते हैं। पत्तियां सूखने के बाद उन्हें चोरी-छिपे काटकर बेच दिया जाता है। हालांकि इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो पाई है।

गैर जनपदों में भी कटान से जुड़ाव के आरोप

सूत्रों का यह भी दावा है कि संबंधित वन दरोगा अन्य जनपदों में भी पेड़ों की कटान से जुड़े मामलों में सक्रिय रहते हैं और इसके बदले मोटी रकम लेने के आरोप लगते रहे हैं। हालांकि इस संबंध में कोई आधिकारिक दस्तावेज सार्वजनिक नहीं किया गया है।

शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं होने का आरोप

ग्रामीणों का कहना है कि कई बार शिकायतें किए जाने के बावजूद संबंधित मामलों में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे लोगों में प्रशासन और विभागीय कार्यप्रणाली को लेकर असंतोष बढ़ता जा रहा है।

ग्रामीणों ने दी मुख्यमंत्री से शिकायत की चेतावनी

कैथोलिया गांव के ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि आरोपों की निष्पक्ष जांच कर

दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो वे मुख्यमंत्री और उच्च अधिकारियों से शिकायत करेंगे। ग्रामीणों ने पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।

जांच के बाद ही सामने आएगी सच्चाई

वन विभाग के अधिकारियों पर लगे इन गंभीर आरोपों को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। अब सभी की निगाहें प्रशासन और वन विभाग के उच्च अधिकारियों पर टिकी हैं कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाती है या नहीं। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि आरोपों में कितनी सच्चाई है। वहीं एक बुजुर्ग महिला का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा देखने वाली बात यह है कि क्या अब इस वीडियो का प्रशासन संज्ञान लेगा या फिर ठंडे बस्ते में इसे डाल दिया जाएगा।

महमूदाबाद में चोरों के हौसले बुलंद, दिन दहाड़े स्कूटी हुई गायब

● सीएचसी से बाइक चोरी के बाद अब दिन-दहाड़े दुकान के बाहर से स्कूटी पार, पुलिस पस्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

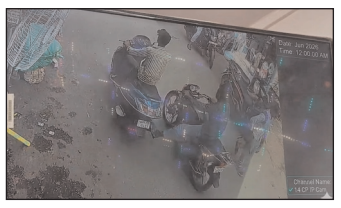

महमूदाबाद, सीतापुर– महमूदाबाद कस्बे और आसपास के क्षेत्रों में वाहन चोरों का आतंक चरम पर है। स्थानीय पुलिस की सुस्ती का फायदा उठाकर बेखौफ चोर लगातार वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। अभी बीते कल ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महमूदाबाद परिसर से एक बाइक चोरी होने का मामला शांत भी नहीं हुआ था कि शातिर चोरों ने पुलिस को खुली चुनौती देते हुए दिन-दहाड़े एक और वारदात को अंजाम दे डाला। चोर इस बार एक दुकान के बाहर खड़ी स्कूटी को उड़ा ले गए। दोपहर के वक्त दुकान के बाहर स्कूटी खड़ी थी। प्राप्त जानकारी और पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, मामला कोतवाली महमूदाबाद के अंतर्गत का है। पीड़ित लोकेश कुमार जैन पुत्र स्व. दिलीप कुमार जैन जो कि मोहल्ला नई बाजार उत्तरी कस्बा व थाना महमूदाबाद के निवासी हैं, उन्होंने पुलिस को लिखित शिकायती पत्र सौंपा है। पीड़ित ने बताया कि उन्होंने करीब एक सप्ताह पूर्व ही बेलदारी टोला कस्बा महमूदाबाद के निवासी मोश्र समीर पुत्र हबीब अहमद से एक स्कूटी खरीदी थी। शनिवार, 13 जून 2026 को दोपहर करीब 3:00 बजे उन्होंने अपनी स्कूटी नंबर UP 78 EJ 6123 दुकान के बाहर खड़ी की थी। इसी दौरान अज्ञात चोरों ने दिन-दहाड़े मौके का फायदा उठाया और स्कूटी लेकर रफूचक्कर हो गए। पीड़ित लोकेश कुमार के मुताबिक, स्कूटी के जरूरी कागजात भी गाड़ी की डिग्गी के अंदर ही मौजूद थे, जो स्कूटी के साथ ही चोरी हो गए है। कस्बे में लगातार हो रही वाहन चोरी की घटनाओं से स्थानीय व्यापारियों और आम जनता में भारी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि कल सीएचसी परिसर जैसी संवेदनशील जगह से बाइक चोरी हुई और आज दिन-दहाड़े दुकान के बाहर से स्कूटी पार हो गई। इससे साफ जाहिर होता है कि चोरों के मन से पुलिस का खौफ पूरी तरह खत्म हो चुका है, जबकि स्थानीय पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी है। पीड़ित लोकेश कुमार जैन ने कोतवाली प्रभारी निरीक्षक महमूदाबाद को प्रार्थना पत्र देकर मामले की प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करने और वाहन की जल्द से जल्द बरामदगी करने की गुहार लगाई है। अब देखना यह है कि लगातार हो रही चोरियों पर महमूदाबाद पुलिस कब तक लगाम कस पाती है।

लुलु हाइपरमार्केट में आम महोत्सव का भव्य शुभारंभ, 40 से अधिक किस्मों के आम एक ही स्थान पर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 12 जून 2026 लुलु हाइपरमार्केट में आज आम प्रेमियों के लिए आयोजित आम महोत्सव का भव्य शुभारंभ किया गया। इस विशेष आयोजन में ग्राहकों के लिए 40 से अधिक किस्मों के उत्कृष्ट गुणवत्ता वाले आम उपलब्ध कराए गए हैं। इनमें अल्फांसो, दशहरी, तोतापुरी, बंगनपल्ली, लंगड़ा, चौसा, केसर, नीलम, मालदा तथा अन्य लोकप्रिय किस्में शामिल हैं। आम महोत्सव का उद्घाटन डॉ. दामोदरन थुक्करम, निदेशक, निदेशक-आईसीएआर- सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ सबट्रॉपिकल हॉर्टिकल्चर द्वारा किया गया। इस अवसर पर अपने संबोधन में डॉ. दामोदरन थुक्करम ने कहा कि आम भारत की पहचान और गौरव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल उपभोक्ताओं को विभिन्न किस्मों के आमों से परिचित कराते हैं, बल्कि देश की बागवानी परंपरा और किसानों के योगदान को भी प्रोत्साहित करते हैं। उन्होंने लुलु हाइपरमार्केट द्वारा एक ही छत के नीचे इतनी विविधता और गुणवत्ता उपलब्ध कराने की सराहना की। कार्यक्रम में जयकुमार गंगाधरन, निदेशक-उत्तर प्रदेश, तेलंगाना एवं दिल्ली, लुलु ग्रुप इंडिया भी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि लुलु समूह अपने ग्राहकों को सर्वोत्तम गुणवत्ता, ताजगी और विविधता उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। आम महोत्सव ग्राहकों को देश के विभिन्न क्षेत्रों के श्रेष्ठ आमों का स्वाद और अनुभव प्रदान करेगा। इस अवसर पर सुनील शर्मा, महाप्रबंधक, लुलु हाइपरमार्केट भी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि आम महोत्सव के दौरान ग्राहकों को 40 से अधिक किस्मों के ताजे और उच्च गुणवत्ता वाले आम उपलब्ध होंगे। उन्होंने बताया कि यह आयोजन आम प्रेमियों के लिए एक विशेष अवसर है, जहां वे अपनी पसंदीदा किस्मों के साथ-साथ कई नई और दुर्लभ किस्मों का भी आनंद ले सकते हैं। लुलु हाइपरमार्केट ने शहर के सभी आम प्रेमियों को इस विशेष आम महोत्सव में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। यहां ग्राहकों को बेहतरीन गुणवत्ता, ताजगी और आमों की विशाल श्रृंखला का अनुभव प्राप्त होगा। 40 से अधिक किस्मों के उत्कृष्ट गुणवत्ता वाले आमों का इतना विशाल संग्रह आम प्रेमियों को केवल लुलु हाइपरमार्केट में ही उपलब्ध है।

चोरी की घटना में वांछित अभियुक्ता को बिसवां पुलिस ने किया गिरफ्तार

बिसवां (सीतापुर)– बिसवां पुलिस ने शनिवार को रोडवेज बस स्टैंड कस्बा बिसवां से रुखसाना पत्नी नूर बाबू उर्फ काले निवासी ठठेरी टोला, थाना लहरपुर, जनपद सीतापुर (उम्र लगभग 30 वर्ष) को गिरफ्तार किया। अभियुक्ता 6 जून 2026 से वांछित चल रही थी। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने अभियुक्ता के कब्जे से पीली धातु के कान के एक जोड़ी झाले तथा 23,000 रुपये नकद बरामद किए हैं। इस संबंध में थाना बिसवां में मु.अ.सं. 144/2026 के तहत धारा 303(2) एवं 317(2) बीएनएस में मुकदमा दर्ज है। पुलिस के अनुसार अभियुक्ता के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक राम राघव सिंह, उपनिरीक्षक सुधाकर सिंह, हेड कांस्टेबल अमरेंद्र कुमार द्विवेदी, हेड कांस्टेबल रोहित कुमार, कांस्टेबल विवेक यादव, कांस्टेबल आकाश, कांस्टेबल रंजीत कुमार तथा महिला कांस्टेबल पूनम सिंह शामिल रहीं।

धरना स्थल से CJP अध्यक्ष अभिजीत को बिना भाषण लौटाया, लखनऊ में छात्रों ने किया विरोध

● काकरोच जनता पार्टी के अध्यक्ष अभिजीत दीपके को लखनऊ के ईको गार्डन में छात्रों के भारी विरोध के कारण बिना भाषण दिए लौटना पड़ा। छात्रों ने उन पर अपने आंदोलन का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया, जिससे हंगामा बढ़ गया।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। पिछले सप्ताह ही दिल्ली में जंतर मंतर पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ की मांग को लेकर सुर्खियों में आए काकरोच जनता पार्टी के अध्यक्ष अभिजीत दीपके को लखनऊ के ईको गार्डन स्थित धरना स्थल पर मौजूद छात्रों के विरोध के बीच बिना भाषण के ही लौटना पड़ा। शिक्षक भर्ती सहित विभिन्न परीक्षाओं के रद को लेकर प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों के बीच पहुंचे दीपके को भारी विरोध का सामना करना पड़ा। दीपके के घरना स्थल पर पहुंचते ही अभ्यर्थियों ने उनके खिलाफ भी नारेबाजी शुरू कर दी। अभ्यर्थियों ने उन पर राजनीतिक रोटी सेंकने का आरोप लगाया। हंगामा बढ़ता देख अभिजीत अपना भाषण बीच में ही छोड़कर लौट गए। शुक्रवार को ईको गार्डन प्रदेश के कई जिलों से अभ्यर्थी भर्तियों और परीक्षाओं के निरस्त होने का विरोध करने पहुंचे थे। ईको गार्डन में सुबह 10 बजे से शुरू हुए प्रदर्शन में पांच हजार से अधिक अभ्यर्थी शामिल हुए। दोपहर डेढ़ बजे अभिजीत दीपके संविधान की पुस्तक लेकर पहुंचे। विरोध और नारेबाजी के बीच दीपके ने संबोधित करना शुरू किया।

ईको गार्डन में काफी देर हंगामा, दीपके ने लगाया राजनीति करने का आरोप

बिना माइक और मंच के दीपके चिल्लाते हुए बोले, 'देश में आंदोलन नहीं हुआ होता तो आज आजादी भी नहीं मिली होती। इमरजेंसी के विरोध में आंदोलन न होता तो लोकतंत्र भी न होता। आंदोलन सबसे बड़ी देशभक्ति है। चाहे लेखपाल हो, यूपीएसआई हो, नीट हो या सीबीएसई, सभी परीक्षाओं के पेपर लीक करने वाले दोषियों को त्यागपत्र देना होगा।'

'पेपर लीक बंद करो' और 'यूपीएसआई स्कोर कार्ड जारी करो' जैसे नारेबाजी करने लगे

इस बीच अभ्यर्थी 'पेपर लीक बंद करो' और 'यूपीएसआई स्कोर कार्ड जारी करो' जैसे नारेबाजी करने लगे। नितिन, आनंद, अविरल तनेजा सहित कई अभ्यर्थियों ने कॉकरोच जनता पार्टी और अभिजीत दीपके का विरोध किया। कहा 'हमारे इस आंदोलन का कॉकरोच जनता पार्टी से कोई मतलब नहीं है। दीपके राजनीति कर रहे हैं। उनका कहना था कि हमारे आंदोलन की रूपरेखा 15 दिनों पहले बनी थी, जबकि दीपके को इसके बारे में पता तक नहीं है। वह केवल राजनीति करने आए हैं और केंद्रीय शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांग रहे हैं। विरोध तेज होता देख दीपके अभ्यर्थियों को 20 जून को दिल्ली आने का आह्वान करते हुए निकल गए।

LDA में नौकरी और सरकारी ठेका दिलाने के नाम पर मां-बेटे ने की तीस लाख की ठगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) में नौकरी व सरकारी ठेके दिलाने का झांसा देकर जालसाज मां-बेटे ने परिचित से 30 लाख रुपये ऐंठ लिए। एलडीए कर्मी आरोपी महिला ने अपनी ऊंची पहुंच का रौब दिखाया और जाली नियुक्ति पत्र थमा दिया। पीड़ित ने विभाग जाकर जानकारी की तो फर्जीवाड़े का पता चला। रुपये वापस मांगने पर पीड़ित को धमकाया गया। डीसीपी पश्चिम कमलेश दीक्षित के आदेश पर कैसरबाग पुलिस ने आरोपी मां-बेटे के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

वारिस एहसान खान ने क्या बताया?

गोलागंज बारूदखाना निवासी वारिस एहसान खान ने बताया कि उनके दूर के रिश्तेदार सुमायरा रब्बानी उर्फ परवीन व बेटे अली अब्दुल्लाह लालबाग के जेपी बोस मार्ग स्थित डब्ल्यूआर अपार्टमेंट में रहते हैं। एलडीए में कार्यरत सुमायरा व अली ने वर्ष 2024 में वारिस को सरकारी ठेके और एलडीए में नौकरी दिलाने का आश्वासन दिया। दोनों काम के एवज में रुपये खर्च होने की बात कही। रिश्तेदारी होने के चलते पीड़ित ने 16 जनवरी 2024 को अली अब्दुल्लाह के खाते में पांच लाख और मार्च माह में 25 लाख रुपये नकद दिए। कुछ समय बीतने के बाद सुमायरा ने एक पत्र दिया। कहा कि जब बोलेंगे तब पत्र लेकर एलडीए जाकर ज्वाइनिंग कर लेना। काफी समय बीतने के बाद भी मां-बेटे ने कोई जवाब नहीं दिया तो पीड़ित ने एलडीए जाकर छानबीन की। पता चला कि पत्र जाली था। नौकरी व ठेका न मिलने पर

पीड़ित वारिस ने संपर्क कर अपने 30 लाख रुपये वापस मांगे तो आरोपियों ने टालमटोल की। पीड़ित ने घर पहुंचकर रुपये मांगे तो आरोपियों ने गाली-गलौज कर फर्जी मामले में फंसाने की धमकी दी। ठगी का एहसास होने पर पीड़ित वारिस ने डीसीपी पश्चिम से मुलाकात कर शिकायत की। इंस्पेक्टर अंजनी कुमार मिश्र ने बताया कि साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

किसानों को मिली बड़ी राहत शिवगढ़ ड्रेन की सफाई शुरू, 35 किलोमीटर तक चलेगा अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज, रायबरेली। महराजगंज तहसील क्षेत्र के किसानों के लिए लंबे समय से परेशानी का कारण बनी शिवगढ़ ड्रेन की सफाई का कार्य शनिवार को शुरू हो गया। समाजवादी पार्टी के विधायक श्याम सुंदर भारती के प्रयासों से शुरू हुए इस अभियान से किसानों में खुशी का माहौल है। शिवगढ़ विकासखंड क्षेत्र के पिपरी गांव स्थित पुल के पास विधिवत रूप से सफाई कार्य का शुभारंभ किया गया। इस दौरान विधायक श्याम सुंदर भारती ने उपस्थित किसानों एवं ग्रामीणों का मुंह मीठा कराकर उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में जलभराव की समस्या किसानों के लिए बड़ी चुनौती बन जाती है, जिससे फसलों को नुकसान उठाना पड़ता है। इसी समस्या को गंभीरता से लेते हुए शिवगढ़ ड्रेन की सफाई का कार्य शुरू कराया गया है। विधायक ने बताया कि लगभग 35 किलोमीटर लंबी ड्रेन की सफाई कराई जाएगी, जिससे बरसाती पानी का सुचारु निकास संभव हो सकेगा और खेतों में जलभराव की समस्या काफी हद तक समाप्त होगी। उन्होंने कहा कि किसानों की मूलभूत समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकता है और क्षेत्र के विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। ड्रेन सफाई कार्य शुरू होने से क्षेत्र के किसानों ने राहत की सांस ली है। किसानों का कहना है कि वर्षों से ड्रेन में गाद और झाड़ियां भर जाने के कारण बारिश के समय खेतों में पानी भर जाता था, जिससे खेती प्रभावित होती थी। अब सफाई कार्य शुरू होने से फसलों को नुकसान से बचाया जा सकेगा और कृषि उत्पादन में भी वृद्धि होगी। ग्रामीणों और किसानों ने विधायक श्याम सुंदर भारती के इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया है। बरसात से पहले शुरू हुई यह सफाई किसानों के लिए किसी सौगात से कम नहीं मानी जा रही है।

स्वतंत्र प्रभात
जो लिखेगा, वही टिकेगा
ब्रेकिंग न्यूज़

महिला ने की सरकारी नाली पर अतिक्रमण की शिकायत

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली परिसर में शनिवार को सीओ अमित सिंह की अध्यक्षता में थाना समाधान दिवस का आयोजन हुआ। समाधान दिवस में पूरे टोड़ी मजरे सेमरपहा गांव की निवासी दीपा सिंह ने शिकायत दर्ज कराते हुए गांव के चार लोगों पर सरकारी नाली पर अतिक्रमण करने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने नाली में मिट्टी डालकर उसे पाट दिया है। इससे बरसात का पानी उनके घर के सामने भर रहा है और आवागमन में परेशानी हो रही है।पीड़िता का कहना है कि इस मामले की शिकायत वह पहले भी कई बार कर चुकी हैं लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। आरोप है कि विरोध करने पर आरोपी गाली-गलौज करते हैं और जान से मारने की धमकी देते हैं। थाना समाधान दिवस में कुल 20 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से चार का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष मामलों के निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए। इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह, लेखपाल उमाकांत तिवारी, मनमोहन पांडे समेत अन्य राजस्व कर्मी मौजूद रहे।

कार की टक्कर से ई-रिक्शा चालक व महिला घायल

दुर्घटना/हादसा
स्वतंत्र प्रभात

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के रायबरेली रोड पर तेज रफ्तार कार की टक्कर से ई-रिक्शा चालक और उसमें सवार महिला घायल हो गईं। महिला की हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है। डकौली गांव निवासी रोहित ई-रिक्शा चलाता है। वह एक महिला यात्री लक्ष्मी को लेकर कस्बे की ओर आ रहा था। इसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने ई-रिक्शा में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में ई-रिक्शा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। चालक रोहित और महिला यात्री लक्ष्मी घायल हो गईं। टक्कर के बाद कार चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया। महिला की हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

पूर्व विधायक राकेश सिंह के प्रयासों से केप की खुदाई का कार्य शुरू

● पूर्व विधायक राकेश सिंह से मिलकर किसानों ने बताई थी आपबीती काम शुरू होने से अब खुशी की लहर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज (रायबरेली)– लंबे अरसे से किसानों के लिए समास्या का सबब बनी शोभापुर स्केप इस बार किसानों के लिए संजीवनी साबित होगी क्योंकि पूर्व विधायक राकेश सिंह के प्रयासों से इसकी खुदाई का रास्ता साफ हो चुका है, जिससे किसानों में खुशी की लहर है। बता दें कि महराजगंज ब्लाक क्षेत्र के बरहुवां ग्राम पंचायत अंतर्गत पूरे अभिमान सिंह गांव के पास से शोभापुर स्केप निकली हुई है, जिसकी लंबाई तकरीबन साढ़े चार किलोमीटर है,जो बजट के अभाव में झाड़ियों से पटी होने के कारण, जल निकासी की समास्या बनी हुई थी और हजारों बीघे फसल डूब जाती थी जिससे किसानों के सामने संकट उत्पन्न हो जाता था। इसकी खुदाई को लेकर क्षेत्रीय किसान कई सालों से परेशान थे और पिछले दिनों पूर्व विधायक राकेश सिंह से मिलकर स्केप की सफाई की मांग की थी जिस पर उन्होंने अधिकारियों से बात कर समास्या के निराकरण के निर्देश दिए थे। अब पूर्व विधायक राकेश सिंह के प्रयासों से स्केप की खुदाई का काम शुरू हो गया है जिससे किसानों के चेहरे पर खुशी है, राज्य मंत्री स्वतंत्रत प्रभार दिनेश प्रताप सिंह बड़े भाई गणेश प्रताप सिंह ने अधिशाषी अभियंता सुशील कुमार सिंचाई विभाग की उपस्थिति में नारियल फोड़कर कार्य का शुभारंभ किया। स्केप की खुदाई से भीरा, मझिगवां, मलिकपुर बरना,पंचम सिंह गोंदरिहा बरहुआं पखनपुर पूरे श्रध्दा शोभापुर पूरे लाखन सिंह सहित दर्जनों गांवों के किसानों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। शीतला बक्श सिंह, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि दीपू सिंह, पूर्व रंजीत सिंह, राम प्रताप सिंह, सुशील बाजपेई, राजू, चंद्र शेखर श्री राम सिया राम,जय राम लोधी, सहित अन्य मौजूद रहे।

मलिहाबाद: बिजली लाइन में शॉर्ट सर्किट से भड़की आग

● ग्रामीणों की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ/रहीमाबाद। रहीमाबाद क्षेत्र के कैथन खेड़ा गांव में शनिवार दोपहर ट्यूबवेल लाइन में शॉर्ट सर्किट होने से भीषण आग लग गई। ग्रामीणों की सूझबूझ और तत्परता के चलते आग पर समय रहते काबू पा लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार, जलालमऊ विद्युत उपकेंद्र के रहीमाबाद फीडर से जुड़े कैथन खेड़ा गांव में मंदिर परिसर के पास स्थित ट्यूबवेल के ऊपर से गुजर रही बिजली की केबल में तकनीकी खराबी आ गई। इसी दौरान तारों से अचानक चिंगारियां निकलने लगीं और देखते ही देखते आग भड़क उठी। आग ने आसपास की सूखी झाड़ियों और पेड़ों को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में आसपास मौजूद यूकेलिप्टस, महुआ और फरेंद के पेड़ों के साथ सूखी झाड़ियां जलने लगीं। घटना से गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ग्रामीणों ने तत्काल बिजली विभाग को सूचना देकर विद्युत आपूर्ति बंद करवाई। इसके बाद ग्रामीणों ने ट्यूबवेल और अन्य उपलब्ध संसाधनों की मदद से आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने आग पर सफलतापूर्वक काबू पा लिया। ग्रामीणों का कहना है कि यदि आग समय रहते नहीं बुझाई जाती तो यह आसपास के खेतों और अन्य पेड़ों तक फैल सकती

थी, जिससे भारी नुकसान होने की आशंका थी। ग्रामीणों की सतर्कता और सामूहिक प्रयासों के कारण संभावित बड़ा नुकसान टल गया। घटना के बाद ग्रामीणों ने विद्युत विभाग से क्षेत्र की बिजली लाइनों की नियमित जांच और रखरखाव की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। वहीं इस संबंध में अवर अभियंता राजकुमार ने बताया कि उन्हें इस घटना की कोई जानकारी नहीं है।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली दंगा केस: 6 साल से जेल में बंद शरजील इमाम ने दायर की दूसरी जमानत याचिका

कोर्ट ने पुलिस से मांगा जवाब

दिल्ली। वर्ष 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगा कांड में बड़ी साजिश रचने के मामले में आरोपित शरजील इमाम ने कड़कड़डूमा कोर्ट में दूसरी जमानत याचिका दाखिल की है। याचिका में कहा गया है कि वह पिछले छह वर्षों से न्यायिक हिरासत में है। साथ ही, सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पूर्व में जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद भी मुकदमे की सुनवाई में कोई बड़ी प्रगति नहीं हुई है। याचिका में लंबी अवधि से हिरासत में रहने और मामले के विचारण में देरी का हवाला देते हुए जमानत देने की मांग की गई है। अदालत ने इस याचिका पर दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा है। मामले की सुनवाई कर रही अदालत ने अगली सुनवाई के लिए चार जुलाई की तारीख निर्धारित की है। बता दें कि इससे पहले सर्वोच्च न्यायालय शरजील इमाम की जमानत याचिका खारिज कर चुका है। अब नई परिस्थितियों का हवाला देते हुए दाखिल की गई इस याचिका पर अदालत दिल्ली पुलिस का पक्ष सुनने के बाद आगे का निर्णय लेगी।

गर्मी का टॉर्चर और ठंडी बीयर का सहारा! दिल्ली में इस मई टूट गए बिक्री के पुराने रिकॉर्ड

दिल्ली। इस मई में दिल्ली में बीयर की बिक्री में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह लोकप्रिय राष्ट्रीय ब्रांडों की वापसी का परिणाम है। आबकारी विभाग के आंकड़ों के अनुसार इस साल मई में बीयर की बिक्री पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में बढ़कर 11,12,761 केस हो गई, जबकि पिछले साल यह संख्या 10,10,524 केस थी। राष्ट्रीय ब्रांडों की हिस्सेदारी इस वर्ष मई में 54 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो 2024 में 38 प्रतिशत और 2025 में 24 प्रतिशत थी। दूसरी ओर, कम-ज्ञात ब्रांडों और नेपाल-भूटान से आयातित बीयर की हिस्सेदारी 62 प्रतिशत से घटकर 46 प्रतिशत हो गई।

ताजा बीयर की बिक्री भी रेस्तरां और क्लबों में केंद्रित रही है, जहां मई में कुल 1,521 केस के बराबर ताजा बीयर बेची गई। जिनमें से 1,365 रेस्तरां में और 126 केस के बराबर क्लबों द्वारा बेची गई। अधिकारियों ने बताया कि मई और जून बीयर की खपत का चरम मौसम है, जब ग्राहक ठंडे पेय की तलाश करते हैं।

पूर्वी दिल्ली के हाउस टैक्स शिविरों में उमड़ी भीड़, निगम को मिला 37.30 लाख का राजस्व

दिल्ली। नगर निगम पूर्वी जोन द्वारा आयोजित हाउस टैक्स सहायता एवं जमा शिविरों में आम लोगों और व्यापारियों का उत्साहजनक संख्या रहा। इन शिविरों के माध्यम से दिल्ली नगर निगम को कुल 37.30 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, वहीं लोगों को कर संबंधी समस्याओं के समाधान और समय पर कर जमा करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। ललिता पार्क स्थित ज्वाइंट एक्शन कमेटी (आरडब्ल्यूए), लक्ष्मी नगर द्वारा आयोजित हाउस टैक्स सहायता एवं जमा शिविर में 48 संपत्ति स्वामियों ने करीब 2.30 लाख रुपये का हाउस टैक्स जमा कराया। शिविर के दौरान नागरिकों को संपत्ति कर निर्धारण, बकाया राशि और आनलाइन भुगतान प्रक्रिया से संबंधित जानकारी भी उपलब्ध कराई गई। यह शिविर निगम अधिकारी रजत दहिया के सहयोग से संपन्न हुआ। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष अनीश गर्ग ने कहा कि ऐसे शिविरों से नागरिकों का समय और संसाधनों की बचत होती है तथा सरकारी सेवाओं तक उनकी पहुंच आसान बनती है।

35 लाख रुपये कर जमा किया

वहीं, राम नगर रेडीमेड गारमेंट मर्चेंट एसोसिएशन, गांधी नगर द्वारा आयोजित दो दिवसीय हाउस टैक्स कैंप में 165 दुकानदारों ने 35 लाख रुपये का कर जमा किया। शुक्रवार को कैंप के समापन समारोह में पूर्व महापौर श्याम सुंदर अग्रवाल ने कहा कि समय पर हाउस टैक्स जमा करने से 10 प्रतिशत की छूट का लाभ मिलता है और लोग लेट फीस व ब्याज से बच सकते हैं।

NOTICE

It is informed to the general public that I, KAUSHALYA RANI KOIRI, D.O.B.-11-08-1992, W/o - LATE CHINE LAL KOIRI, resident at Vill. - Kalamagura, P.O.- Kalamagura, P.S.- Ratabari, Dist.- Sribhumi, Assam, declare that my actual and correct name is "KAUSHALYA RANI KOIRI" and which has been correctly recorded in all my relevant documents but inadvertently in my Aadhaar Card vide No. 9942 1178 8373, Voter ID Card vide No. HQV0524777 and my PAN Card vide No. FLDPK3859J wherein my name has been wrongly recorded as "KAUSHALAYA RANI KOIRI" instead of "KAUSHALYA RANI KOIRI" In future I will be known as above said name.

हैदराबाद कोर्ट ने मीनाक्षी नटराजन के खिलाफ याचिका खारिज की और मामले में सक्षम न्यायालय का रुख करने का दिया निर्देश

● इसी मामले पर राज्यसभा का नामांकन रद्द किया गया था

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। मीनाक्षी नटराजन की ओर से पेश वकील ने अदालत को बताया कि याचिका में विधायक और विधान परिषद सदस्य समेत जनप्रतिनिधियों को भी प्रतिवादी बनाया गया है। इसके बाद अदालत ने याचिका खारिज कर दी और मामले में सक्षम न्यायालय का रुख करने का निर्देश दिया। हैदराबाद की एक अदालत ने एक महिला द्वारा दायर उस याचिका को शुक्रवार को खारिज कर दिया, जिसमें कथित छेड़छाड़ और धमकी देने के मामले में कांग्रेस की तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन को प्रतिवादी बनाया गया था। अदालत ने याचिकाकर्ता को मामले के लिए संबंधित सक्षम न्यायालय का रुख करने की सलाह दी। इसी मामले के कारण ही मध्य प्रदेश में राज्यसभा चुनाव के लिए नटराजन का नामांकन रद्द कर दिया गया था। मीनाक्षी नटराजन की ओर से पेश वकील ने अदालत को बताया कि याचिका में विधायक और विधान परिषद सदस्य समेत जनप्रतिनिधियों को भी प्रतिवादी बनाया गया है। इसके बाद अदालत ने याचिका खारिज कर दी और मामले में सक्षम न्यायालय का रुख करने का निर्देश दिया। अपनी याचिका में ए. श्रीलता ने कांग्रेस नेता कुंभम शिव कुमार रेड्डी पर छेड़छाड़ करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। मामले में प्राथमिकी भी दर्ज की गई थी।इस मामले में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बी महेश कुमार गौड़ के साथ नटराजन को भी प्रतिवादी बनाया गया है। इसी मामले का जिक्र नहीं करने का आरोप लगाकर मध्य प्रदेश से राज्यसभा चुनाव के लिए मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द कर दिया गया था। निर्वाचन अधिकारी अरविंद शर्मा के एक आदेश में कहा गया है कि उपलब्ध दस्तावेजों की जांच के बाद यह पाया गया कि नटराजन ने अधूरा हलफनामा जमा किया था, जिसमें उनके नामांकन पत्र के साथ जमा किए गए फॉर्म 26 में अदालत में दर्ज एक शिकायत का जिक्र नहीं था। बीजेपी के उम्मीदवार महेश केवट ने निर्वाचन अधिकारी के पास शिकायत दर्ज कराई थी। निर्वाचन अधिकारी के फैसले को गलत और अलोकतांत्रिक बताते हुए मीनाक्षी नटराजन ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को नटराजन की उस याचिका को ठुकरा दिया, जिसमें मध्य प्रदेश से राज्यसभा चुनाव के लिए उनका नामांकन पत्र खारिज किए जाने को चुनौती दी गई थी। हालांकि, न्यायालय ने उन्हें चुनाव याचिका के माध्यम से इस मामले को उठाने की छूट प्रदान कर दी।

जमीनी विवाद में युवक पर फावड़े से हमला, गंभीर

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के पूरे चंदूलाल का पुरवा मजरे अंबारा गांव में शनिवार को जमीनी विवाद हिंसक हो गया। विवाद के दौरान चार लोगों ने पिता-पुत्र की पिटाई कर दी। फावड़े से किए गए हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया। गांव निवासी हीरालाल के अनुसार, आंधी-तूफान में पेड़ गिरने से टिनशेड क्षतिग्रस्त हो गया था। शनिवार को वह क्षतिग्रस्त हिस्से को हटवाकर निर्माण कार्य शुरू करा रहे थे। आरोप है कि इसी दौरान गांव के रामलखन, चंद्रकांत, अमरनाथ और सनी वहां पहुंच गए और विवाद करने लगे। देखते ही देखते कहासुनी मारपीट में बदल गई। आरोप है कि आरोपियों ने हीरालाल और उनके बेटे सुनील को पीटना शुरू कर दिया। इस दौरान सुनील के सिर पर फावड़े से वार कर दिया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने सुनील की हालत गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

दिल्ली के जी.बी. पंत अस्पताल कर्मचारी यूनियन 3103 के चुनाव परिणाम घोषित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। जी.बी. पंत अस्पताल कर्मचारी यूनियन 3103 के द्विवार्षिक चुनाव 2026-28 शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं लोकतांत्रिक वातावरण में संपन्न हुए। चुनाव प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद निर्वाचन अधिकारियों ने मतगणना कर परिणामों की आधिकारिक घोषणा की। चुनाव में कुल 341 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतगणना के बाद अध्यक्ष पद पर नरेश कुमार ने 239 मत प्राप्त कर विजय हासिल की और उन्हें जी.बी. पंत अस्पताल कर्मचारी यूनियन 3103 का अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया। वहीं महासचिव पद पर नितिन कुमार ने 245 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की और उन्हें यूनियन का महासचिव निर्वाचित घोषित किया गया। चुनाव प्रक्रिया का संचालन निर्वाचन अधिकारी देवेन्द्र, किशोर राणा एवं रविकांत ने निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से किया। मतगणना पूरी होने के बाद इन्हीं अधिकारियों ने चुनाव परिणामों की औपचारिक घोषणा की। दोनों पक्षों की ओर से जितेन्द्र सक्सेना एवं दिनेश कुमार ने मतदान अभिकर्ता पोलिंग एजेंट के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मतदान एवं मतगणना की निगरानी कैमरों के माध्यम से की गई। साथ ही पुलिस प्रशासन ने भी चुनाव को शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में सहयोग प्रदान किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष नरेश कुमार एवं महासचिव नितिन कुमार ने सभी कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कर्मचारियों द्वारा मिले भारी समर्थन ने उनकी जिम्मेदारी और बढ़ा दी है। उन्होंने कर्मचारियों के हितों की रक्षा, उनकी समस्याओं के समाधान तथा संस्थान के विकास और सौहार्दपूर्ण कार्य वातावरण बनाए रखने के लिए पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

अंबेडकर नगर अस्पताल में सफाई कर्मचारियों की शिकायतों पर हुई कार्रवाई, कंपनी का टेंडर रद्द संतोष प्रधान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। समाजसेवी संतोष प्रधान ने अंबेडकर नगर अस्पताल में सफाई कर्मचारियों की शिकायतों पर हुई कार्रवाई का स्वागत करते हुए कहा कि श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा और भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। संतोष प्रधान ने बताया कि अस्पताल में कार्यरत सफाई कर्मचारियों ने वेतन संबंधी अनियमितताओं, कथित शोषण तथा कार्यस्थल पर हो रही मनमानी को लेकर शिकायतें दर्ज कराई थीं कर्मचारियों का आरोप था कि उन्हें निर्धारित मानकों के अनुरूप वेतन नहीं मिल रहा था और अनियमितताओं के खिलाफ आवाज उठाने वाले कर्मचारियों पर दबाव बनाया जाता था। उन्होंने कहा कि शिकायतों के बाद संबंधित विभागों एवं सफाई कर्मचारी आयोग द्वारा मामले की जांच की गई, जिसमें कई प्रकार की अनियमितताओं की जानकारी सामने आई। जांच के आधार पर अस्पताल में हाउसकीपिंग सेवाएं प्रदान कर रही आर.जी.एस. एंटरप्राइजेज का टेंडर रद्द कर दिया गया तथा दो सुपरवाइजरों की सेवाएं भी समाप्त कर दी गई। संतोष प्रधान ने कहा कि किसी भी कर्मचारी के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए और श्रमिकों को उनका वैधानिक अधिकार, सम्मान तथा सुरक्षित कार्य वातावरण मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनहित और श्रमिक हितों से जुड़े मुद्दों को उठाना आवश्यक है, ताकि व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही बनी रहे।उन्होंने इस कार्रवाई के लिए दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, पूर्वांचल मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष संतोष ओझा तथा दक्षिण दिल्ली के सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी का आभार व्यक्त किया। संतोष प्रधान ने कहा कि भविष्य में भी कर्मचारियों और आम जनता से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाया जाता रहेगा तथा किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार और शोषण के खिलाफ आवाज बुलंद की जाएगी।

बाड़ा हिंदू राव में इमारत की पांचवीं मंजिल पर लगी आग, शॉर्ट-सर्किट से शुरू हुई लपटें

दिल्ली। पुरानी दिल्ली के बाड़ा हिंदू राव स्थित चिमनी मिल गली में शुक्रवार दोपहर एक इमारत की पांचवीं मंजिल पर आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की छह गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। दमकल विभाग के अनुसार, शुक्रवार दोपहर 3:31 पर आग लगने की सूचना मिली थी। दमकल की छह गाड़ियों को मौके पर भेजा गया और 3:55 पर आग पर काबू पा लिया था। आग पांचवीं मंजिल पर रखे घरेलू सामान में लगी थी। यह मंजिल टिन शेड और फाइबर शेड से निर्मित थी। आग पांचवीं मंजिल से चौथी मंजिल तक फैल गई थी। आग बढ़ने पर इमारत में रह रहे लोग समय रहते बाहर निकल गए, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट-सर्किट को आग लगने का संभावित कारण माना जा रहा है। मामले की जांच जारी है।

हरजोत सिंह बैंस ने नगर निगम अधिकारियों को दिए निर्देश

● लुधियाना शहर को 30 जून तक गड्ढों और मैनहोल से मुक्त किया जाए

स्थानीय निकाय मंत्री ने मिशन क्लीन पंजाब के तहत सुबह-सुबह लुधियाना का सरप्राइज इंस्पेक्शन किया

मानसून से पहले सभी सीवर लाइनों को साफ करने और 24×7 वॉर रूम बनाने के आदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना- पंजाब के स्थानीय निकाय मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस ने लुधियाना शहर को 'मैनहोल और गड्ढे मुक्त' बनाने के लिए 30 जून तक की डेडलाइन तय की है और सभी नगर निगम अधिकारियों को मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा शुरू किए गए 'मिशन क्लीन पंजाब' के तहत रोजाना सुबह 7 बजे से 8 बजे तक ग्राउंड लेवल पर रिपोर्ट करने का निर्देश दिया है। सुबह-सुबह लुधियाना नगर निगम इलाकों का सरप्राइज इंस्पेक्शन करते हुए, स. हरजोत सिंह बैंस ने शहर से गुजरने वाली नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया की सड़कों पर जमा बारिश के पानी और कचरे को गंभीरता से लिया। शहर के तीन घंटे के दौरे के बाद, बैंस ने कहा कि 'अगर नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया सड़कों की सफ़ाई नहीं करती है, तो नगर निगम उसे साफ़ करके उन्हें बिल भेजेगा। सफ़ाई न करने और पेमेंट न करने पर जुर्माना भी लगाया जाएगा। ' नगर निगम के अधिकारियों के साथ मॉनसून की तैयारियों का रिव्यू करते हुए, श्री हरजोत सिंह बैंस ने अधिकारियों को इस महीने के आखिर तक सभी सीवर लाइनों को साफ़ करने का निर्देश दिया। नगर निगम के अधिकारियों ने स्थानीय निकाय मंत्री को बताया कि 220 द्वद्व सीवर लाइनों की सफ़ाई की जा रही है, जिसमें से 49 km की सफ़ाई प्रायोरिटी पर की जा रही है। इसमें से 47 परसेंट गाद पहले ही हटा दी गई है और बाकी काम 30 जून तक पूरा हो जाएगा। लुधियाना में सिविक इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने के लिए अभी 172 करोड़ रुपये के रोड प्रोजेक्ट्स चल रहे हैं, लोकल बॉडीज़ मिनिस्टर ने अधिकारियों को यह पक्का करने का निर्देश दिया कि लुधियाना में सभी गायब और खराब मैनहोल कवर बदल दिए जाएं और पूरे शहर में रोड रिपेयर का काम 30 जून तक पूरा हो जाए। मॉनसून के दौरान सिविक रिस्पॉन्स को मज़बूत करने के लिए, उन्होंने म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन को रियल टाइम में वॉटरलॉगिंग, सीवरेज ब्लॉकेज और बारिश से जुड़ी शिकायतों पर नज़र रखने के लिए 24×7 'वॉर रूम' बनाने का भी आदेश दिया। मिस्टर बैंस ने म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन को अपनी ब्रश कटिंग मशीनें खरीदने, ट्रैफिक जंक्शनों को सुंदर बनाने, सड़क के कोनों को पेंट करने, नए डस्टबिन लगाने, गार्बेज कॉम्पैक्टर के लिए नई जगहें पहचानने और बंद ट्यूबवेल और स्ट्रीट लाइट को फिर से चालू करने का निर्देश दिया। इस मौके पर विधायक राजिंदरपाल कौर छीना, मेयर इंद्रजीत कौर, सीनियर डिप्टी मेयर राकेश पराशर, पंजाब दलित विकास बोर्ड के चेयरमैन विजय दानव, ज्वाइंट कमिश्नर विनीत कुमार, अमनप्रीत सिंह व तपन भनोट, जोनल कमिश्नर नीरज जैन, गुरपाल सिंह व जसदेव सिंह सेखों, हेल्थ ऑफिसर डॉ. विपल मल्होत्रा व अन्य मौजूद थे।

कांग्रेस को मजबूत करने एवं 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर हुई महत्वपूर्ण बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना- पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी (PPCC) के सदस्य एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुशील कुमार मल्होत्रा तथा मुस्लिम कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अलमुद्दीन सैफी के बीच आगामी पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने तथा आम जनता के बीच पार्टी की पहुंच बढ़ाने पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने कांग्रेस हाईकमान से मांग की कि समर्पित, निष्ठावान एवं लंबे समय से पार्टी के लिए कार्य कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संगठन में उचित प्रतिनिधित्व एवं जिम्मेदारियां दी जाएं, ताकि पार्टी को और अधिक सशक्त बनाया जा सके तथा वर्ष 2027 में पंजाब में कांग्रेस की सरकार बनाने का लक्ष्य हासिल किया जा सके। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता अलमुद्दीन सैफी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ही देश के गरीबों, मजदूरों, किसानों, अल्पसंख्यकों तथा कमजोर वर्गों की वास्तविक हितैषी रही है। उन्होंने कहा कि केवल कांग्रेस ही संविधान की मूल भावना, लोकतांत्रिक मूल्यों एवं सामाजिक सौहार्द की रक्षा करने में सक्षम है। वहीं, सुशील कुमार मल्होत्रा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सदैव देश की एकता, अखंडता एवं भाईचारे को मजबूत करने के लिए कार्य करती रही है। उन्होंने कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (PA) सरकार के कार्यकाल में शुरू की गई अनेक जनकल्याणकारी एवं विकासोन्मुखी योजनाएं आम जनता की खुशहाली और देश की प्रगति के लिए बनाई गई थीं। आज विभिन्न सरकारें उननाओं के नाम बदलकर उनका लाभ लेने का प्रयास कर रही हैं, लेकिन देश और पंजाब की जनता पूरी तरह जागरूक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वर्ष 2027 में पंजाब की जनता कांग्रेस पार्टी को सत्ता सौंपेगी तथा वर्ष 2029 में केंद्र में भी कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार का गठन होगा। मल्होत्रा ने कहा कि वर्तमान में पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार तथा केंद्र की भाजपा सरकार दोनों ही आर्थिक चुनौतियों से जूझ रही हैं।

गलत नीतियों के कारण पंजाब और देश की आर्थिक एवं सामाजिक व्यवस्था प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व में ही पंजाब और देश समावेशी विकास, आर्थिक प्रगति और सामाजिक सद्भाव के मार्ग पर आगे बढ़ सकते हैं। बैठक में कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, युवाओं, महिलाओं, अल्पसंख्यकों एवं समाज के सभी वर्गों को पार्टी से जोड़ने तथा आगामी चुनावों के लिए व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाने पर भी सहमति व्यक्त की गई।

नाजुक हालत में सिलापथार शहर के प्रमुख सड़के

● तुरंत निर्माण की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

असम धेमाजी। गत एक साल में सिलापथार नगर पालिका के अंतर्गत ऐसा कोई सड़क है जो हद से ज्यादा नाजुक हालत में है। जनता परेशान हो रही है, आए दिन कई ना कई दल संघटन सड़क निर्माण के लिए प्रदर्शन करते हुए दिखाई देती है। आंसू ने गत वर्ष सिलापथार लिकाबली सदा व्यस्त सड़क को निर्माण के लिए प्रदर्शन कर सीसीबरगांव तेहचीलदार के जरिए जिला आयुक्त को ज्ञापन भेजा था आज एक साल बीत जाने पर अभी तक सड़क के हालात जर्जर है। दूसरी ओर सिलापथार जोनाई संयुगी सड़क हमेशा खबर के सुर्खियों में रहते हैं। साधारण बारिश में सड़क दिखाई नहीं देते तालाबों में तब्दील हो जाते है। आप अनुमान नहीं लगा सकते कि सड़क पर गड्ढे हैं या सड़क पर गड्ढा? लंबी दूरी के यात्री वाहन मालवाहक वाहनों के अलावा यह दोनों सड़के ग्रेटर सिलापथार क्षेत्र के दैनिक जीवन की रीढ़ है। इस सड़क के किनारे कई शैक्षणिक संस्थान और सरकारी और गैर-सरकारी संस्थान हैं। छात्रों और पैदल चलने वालों के बीच हमेशा बहुत परेशानी होती है। आज सोनोवाल कछारी छात्र संघ के सिलापथार आंचलिक समिति ने जन प्रतिनियों एवं लोकनिर्माण विभाग को कम समय में इलाके के जर्जर सड़के निर्माण करे अन्यथा वह जरदार प्रदर्शन का समाना करने के लिए तैयार रहने के लिए मीडिया के जरिए बयान जारी किया।

दिल्ली: करोड़ों के आशियाने, फिर भी बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे 400 से ज्यादा परिवार

दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के वसंत कुंज डी-1 ब्लाक में करोड़ों रुपये लगाकर लोगों ने इस उम्मीद में आशियाना बनाया था कि यहां मूलभूत सुविधाएं मिलेंगी, लेकिन यहां 400 परिवार गर्मी में बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। पिछले दो माह से यहां पेयजल संकट है, जिससे लोगों की दिनचर्या बुरी तरह प्रभावित हो रही है। इस संबंध में स्थानीय लोगों ने दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी), मुख्यमंत्री, उपराज्यपाल से लेकर जन प्रतिनिधियों तक से कई बार शिकायत की, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। स्थानीय लोगों के मुताबिक, डी-1 ब्लाक में सप्लाई लाइन में प्रेशर काफी कम होने से उनके घरों में पानी नहीं पहुंच रहा है। यहां, पानी की सप्लाई के लिए गेट नंबर-4 के पास सबमर्सिबल पंप भी लगाया गया है, लेकिन यह भी करीब तीन महीने से खराब है। ऐसे में अब पानी के लिए लोग निजी टैंकर और बोतलबंद पानी पर निर्भर हैं। लोगों की मांग है कि जल बोर्ड जल्द से जल्द सबमर्सिबल पंप को ठीक करवाकर पानी की आपूर्ति सुचारु करवाए।

शताब्दी प्राचीन पश्चिम कृष्णनगर जगन्नाथ मंदिर के विवाद के समाधान हेतु विधायक विजय मालाकार के हस्तक्षेप की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि। श्रीभूमि जिले के शताब्दी प्राचीन पश्चिम कृष्णनगर स्थित श्रीश्री जगन्नाथ मंदिर को लेकर उत्पन्न नाम एवं स्थान संबंधी विवाद के समाधान की मांग करते हुए स्थानीय निवासियों ने विधायक विजय मालाकार का ध्यान आकर्षित किया है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, वर्ष 1885 से पश्चिम कृष्णनगर गांव के इस ऐतिहासिक जगन्नाथ मंदिर में नियमित रूप से पूजा-अर्चना होती आ रही है। मंदिर की प्राचीन परंपरा के कारण रथयात्रा के अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु, व्यापारी तथा सुसज्जित रथ लेकर आने वाले लोग यहां एकत्रित होते हैं। श्रद्धालु भगवान श्री जगन्नाथ के दर्शन कर आपसी सौहार्द, सामाजिक सद्भाव तथा देश में शांति की कामना करते हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि रामकृष्णनगर सर्कल कार्यालय द्वारा किए गए सरकारी सीमांकन (डिमार्केशन) के अनुसार रथटिला स्थित श्रीश्री जगन्नाथ मंदिर, शिव मंदिर तथा उससे सटी पीडब्ल्यूडी सड़क बटेरतला से शुरू होकर पश्चिम कृष्णनगर मौजा के अंतर्गत आती है। लेकिन पड़ोसी पाटियाला गांव के कुछ लोग मंदिर को पाटियाला गांव का हिस्सा बताकर दावा कर रहे हैं। इतना ही नहीं, 'पश्चिम कृष्णनगर' लिखे बैनर लगाने में भी बाधा उत्पन्न की जा रही है। इसके परिणामस्वरूप मामला वर्तमान में रामकृष्णनगर सर्कल कार्यालय में विचाराधीन है। जानकारी के अनुसार, विवाद के समाधान के लिए पहले जीपी की पहल पर तथा बाद में सीडीसी के अधीन सर्कल कार्यालय में दोनों पक्षों को चर्चा हेतु बुलाया गया था। हालांकि आरोप है कि पाटियाला गांव के संबंधित व्यक्ति विभिन्न बहाने बनाकर निर्धारित तिथि पर उपस्थित नहीं हुए। इस संबंध में क्षेत्र के गणमान्य लोगों का कहना है कि लगभग पिछले 40 वर्षों से पाटियाला गांव से सुसज्जित रथ लेकर लोग इस आयोजन में भाग लेते रहे हैं। उनका दावा है कि इससे पहले इस विषय में संबंधित पक्ष की कोई सक्रिय भूमिका देखने को नहीं मिली थी। स्थानीय लोगों का यह भी आरोप है कि कुछ जनप्रतिनिधियों के हस्तक्षेप से समस्या का समाधान होने के बजाय विवाद और अधिक जटिल होता जा रहा है। सरकारी सीमांकन की अनदेखी किए जाने से ग्रामीणों में रोष बढ़ रहा है। ऐसी स्थिति में तथ्यात्मक आधार पर निष्पक्ष एवं न्यायसंगत निर्णय सुनिश्चित करने तथा भविष्य में इस प्रकार के विवादों की पुनरावृत्ति रोकने के उद्देश्य से पश्चिम कृष्णनगर के निवासियों ने विधायक विजय मालाकार से हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं निकाला गया तो वे भविष्य में कानूनी कार्रवाई का सहारा लेने के लिए बाध्य होंगे। इस सभा में रामानंद सिंह, राजाबाबू सिंह, बिंदु सेना सिंह, देव कुमार सिंह, लक्षण सिंह, विश्वभानु सिंह, संध्या सिंह, राधारानी सिंह, जुगेन सिंह, समर सिंह सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा रेलवे स्टेशन का विकास ठप, यात्रियों और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश

● प्रधानमंत्री और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का ध्यान आकर्षित करने की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि- वर्तमान सरकार की 'सबका साथ, सबका विकास' नीति के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों के लिए भारी मात्रा में धनराशि आवंटित की जा रही है। सड़क, बुनियादी ढांचे सहित विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से आम जनता की समस्याओं के समाधान का प्रयास किया जा रहा है। लेकिन श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा रेलवे स्टेशन के मामले में विकास की वह गति और सुविधा अब तक नहीं पहुंच पाई है, ऐसा स्थानीय लोगों का आरोप है। लंबे इंतजार के बाद दुल्लभछड़ा रेलवे स्टेशन को 'हॉल्ट स्टेशन' से 'फ्लैग स्टेशन' में अपग्रेड करने की घोषणा की गई थी, लेकिन यह घोषणा अब तक केवल कागज़ों तक ही सीमित है। जमीनी स्तर पर किसी भी तरह का विकास कार्य शुरू नहीं होने से यात्रियों और स्थानीय निवासियों में गहरा असंतोष और निराशा है। 4 जुलाई 2025 को रेल राज्य मंत्री द्वारा जारी लिखित निर्देश में स्टेशन के उन्नयन के साथ-साथ आवश्यक बुनियादी ढांचे के विकास और यात्री सुविधाओं के सुधार का उल्लेख किया गया था। लेकिन लंबे समय बीत जाने के बावजूद जमीनी स्तर पर कोई उल्लेखनीय प्रगति नहीं हुई है, ऐसा स्थानीय लोगों का कहना है। स्थानीय सांसद कृपानाथ मल्लाह लंबे समय से इस स्टेशन के विकास के लिए केंद्रीय रेल मंत्रालय से मांग करते आ रहे हैं। उनके प्रयासों से उम्मीदें तो जगी हैं, लेकिन कार्यान्वयन की धीमी गति के कारण आम लोगों में सवाल और नाराज़गी बढ़ती जा रही है। प्रतिदिन सैकड़ों यात्री इस स्टेशन का उपयोग करते हैं, लेकिन यहां अभी भी फुट ओवरब्रिज, पर्याप्त शौचालय, स्वच्छ पेयजल और यात्री प्रतीक्षालय जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। इसके कारण महिला, बच्चे और बुजुर्ग यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सुरक्षा व्यवस्था की कमी भी यात्रियों की चिंता का एक बड़ा कारण बनी हुई है। इसी बीच हाल ही में स्टेशन पर एक नए शौचालय के निर्माण कार्य की शुरुआत हुई है, लेकिन स्थानीय लोगों का आरोप है कि इसमें घटिया सामग्री का उपयोग किया जा रहा है। उनका कहना है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता का पालन नहीं हो रहा है और सरकारी धन के दुरुपयोग की आशंका है। उन्होंने इस मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई के लिए रेलवे के उच्च अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया है। स्थानीय लोगों की मांग है कि केवल घोषणा नहीं, बल्कि तुरंत वास्तविक विकास कार्य शुरू कर दुल्लभछड़ा रेलवे स्टेशन को आधुनिक और यात्री-अनुकूल बनाया जाए। साथ ही चल रहे निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच कर पारदर्शिता सुनिश्चित करने की भी मांग की गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि विकास की घोषणाएँ केवल कागज़ों तक सीमित रहीं, तो दुल्लभछड़ा की जनता खुद को उपेक्षित महसूस करेगी। इसलिए अब और देरी नहीं, बल्कि त्वरित और प्रभावी कदम उठाना समय की आवश्यकता है। इस मामले में उन्होंने लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से हस्तक्षेप की मांग की है।